संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 124 गुरुवार 06 मार्च 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

मेडीसीन मामले पर सुप्रीमकोर्ट हुआ सख्त

» सुप्रीम कोर्ट ने निजी अस्पतालों में सस्ती दवाइयां न मिलने पर लगाई फटकार...

» चिकित्सा उपकरणों के मामले पर राज्यों को दिया सख्त निर्देश...

नई दिल्ली,05 मार्च 2025(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सभी राज्य सरकारों को निजी अस्पतालों में दवाइयों, चिकित्सा उपकरणों और अन्य आवश्यक चिकित्सा सामग्रियों की अत्यधिक कीमतों पर नियंत्रण के लिए नीति बनाने का निर्देश दिया। यह फैसला एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान आया, जिसमें मरीजों को अस्पतालों की इन-हाउस फार्मेसियों से महंगे दामों पर सामान खरीदने के लिए मजबूर करने की प्रथा पर सवाल उठाया गया था।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने अपने आदेश में कहा, हम इस याचिका को इस निर्देश के साथ निस्तारित करते हैं कि सभी राज्य सरकारें इस मुद्दे पर विचार करें और उपयुक्त नीति निर्णय लें, जैसा वे उचित समझें। लाइव लॉ के अनुसार,कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि मरीजों को ऐसी स्थिति में नहीं डाला जाना चाहिए, जहां उनके पास अस्पताल की फार्मेसी से महंगी दवाइयाँ और उपकरण खरीदने के अलावा कोई विकल्प न हो, जबकि बाजार में इनकी कीमतें निर्धारित हैं।

मरीजों का शोषण और ब्लैकमेल का आरोप

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने चिंता जताई कि निजी अस्पतालों में मरीजों को अक्सर अपनी फार्मेसियों से दवाइयाँ, इम्प्लांट और अन्य चिकित्सा सामग्री खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है, जो बाजार मूल्य से कहीं अधिक होती हैं। याचिकाकर्ताओं ने इसे ब्लैकमेल की संज्ञा देते हुए कहा कि यह प्रथा मरीजों को उचित मूल्य निर्धारण के उनके अधिकार से वंचित करती है। 2018 में दायर इस पीआईएल में याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि निजी अस्पतालों को यह निर्देश दिया जाए कि वे मरीजों को केवल अपनी फार्मेसियों से सामान खरीदने के लिए मजबूर न करें। याचिकाकर्ताओं ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों का हवाला देते हुए बताया कि इलाज के दौरान उन्हें यह महसूस हुआ कि अस्पतालों में एक संगठित तंत्र काम करता है, जो मरीजों को शोषण का शिकार बनाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये फार्मेसियाँ दवाइयाँ और उपकरण अधिकतम खुदरा मूल्य से कई गुना अधिक कीमत पर बेचती हैं।

केंद्र और राज्यों का पक्ष

केंद्र सरकार और अन्य प्रतिवादियों ने कोर्ट को बताया कि राष्ट्रीय क्लिनिकल संस्थान ने न्यूनतम मानक जारी किए हैं और अमृत तथा जन औषधि जैसे तंत्र सरकारी अस्पतालों में सस्ती दवाइयाँ उपलब्ध कराते हैं। केंद्र ने यह भी कहा कि मरीजों को अस्पतालों या उनकी फार्मेसियों से दवाइयाँ और सामग्री खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। वहीं, कई राज्यों ने अपनी योजनाओं का उल्लेख किया, जो सस्ती दरों पर दवाइयाँ और चिकित्सा सेवाएँ सुनिश्चित करती हैं।

कोर्ट की टिप्पणी: निजी स्वास्थ्य क्षेत्र में नियमन की कमी

सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात को स्वीकार किया कि निजी स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में नियमन असंगत है, जिसके कारण मरीजों के शोषण की संभावना बढ़ जाती है। कोर्ट ने कहा,इस देश की जनसंख्या के अनुपात में राज्य सरकारें सभी मरीजों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त चिकित्सा बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं करा पाई हैं। इसलिए,निजी संस्थाओं को इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया,जिसके परिणामस्वरूप देश भर में कई बड़े अस्पताल स्थापित हुए। राज्य और लोग इन पर बहुत हद तक निर्भर हैं। हालांकि, कोर्ट ने यह भी नोट किया कि ऐसी प्रथाओं को नियंत्रित करने और लागू करने में कई चुनौतियाँ हैं। इसीलिए,सीधे आदेश देने के बजाय,अदालत ने राज्य सरकारों को इस मुद्दे का आकलन करने और मरीजों के अधिकारों की रक्षा करते हुए निजी अस्पतालों को संतुलित ढंग से काम करने की अनुमति देने वाली नीतियाँ बनाने का निर्देश दिया।

स्वास्थ्य पर जेब से खर्च अभी भी चिंता का विषय

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, भारत में स्वास्थ्य देखभाल पर जेब से खर्च 2021-22 में 39.4 प्रतिशत था, जो 2013-14 के 64 प्रतिशत से कम है। फिर भी, यह उस 35 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर है, जिसे चार साल पहले सर्वेक्षण में सुझाया गया था। यह आंकड़ा दर्शाता है कि स्वास्थ्य सेवाओं की लागत अभी भी आम लोगों के लिए बोझ बनी हुई है, खासकर निजी अस्पतालों में।

बोफोर्स के मामले में भारत ने अमेरिका से मांगे अहम सबूत

» बोफोर्स घोटाले की जांच फिर से शुरू होने की संभावना

» सीबीआई ने अमेरिका से मदद के लिए लेटर रोगेटरी भेजा

» हर्शमैन के पास रिश्वत से जुड़ी जानकारी होने का शक

» क्वात्रोची की भूमिका पर बड़े सवाल अभी भी बने हुए हैं

नई दिल्ली,05 मार्च 2025 (ए)। बोफोर्स तोप घोटाले की जांच फिर से शुरू हो सकती है। यह कथित घोटाला 1980 के दशक में राजीव गांधी सरकार के समय हुआ था। स्वीडन से 155एमएम की तोपें खरीदने के सौदे में घोटाला हुआ था। सीबीआई ने अमेरिका से मदद मांगी है। कुछ दिन पहले सीबीआई ने अमेरिकी न्याय विभाग को एक पत्र भेजा है। इस पत्र को लेटर रोगेटरी कहते हैं। इसे एक विशेष अदालत ने जारी किया है।सीबीआई माइकल हर्शमैन से जुड़ी जानकारी चाहती है। हर्शमैन अमेरिका की एक प्राइवेट जासूसी कंपनी फेयरफैक्स के प्रमुख हैं। सीबीआई को शक है कि स्वीडिश कंपनी ए बी बोफोर्स ने भारत से तोपों का सौदा पाने के लिए रिश्वत दी थी। हर्शमैन के पास इस रिश्वत से जुड़ी जानकारी हो सकती है।

अमेरिका की प्राइवेट जासूसी कंपनी के चीफ से जानकारी चाहता है भारत

साल 2017 में हर्शमैन ने दावा किया था कि राजीव गांधी उस समय बहुत गुस्से में थे, जब उन्हें एक स्विस बैंक खाते मोंट ब्लैंक के बारे में पता चला था। हर्शमैन के मुताबिक, इसी खाते में बोफोर्स की रिश्वत का पैसा रखा गया था। हर्शमैन ने यह भी दावा किया था कि तत्कालीन सरकार ने उनकी जांच में बाधा डाली थी।

राहुल गांधी पर कोर्ट ने लगाया 200 रुपये का जुर्माना

लखनऊ,05 मार्च 2025(ए)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर लखनऊ की एसीजेएम कोर्ट ने दो सौ रुपये का जुर्माना लगाया है और 14 अप्रैल को कोर्ट में कोर्ट में हाज़िर होने के आदेश दिए हैं। मामला महाराष्ट्र में दिए राहुल गांधी के एक बयान को लेकर है। राहुल गांधी ने 17 दिसम्बर 2022 को अकोला में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वतंत्रा सेनानी वीर सावरकर पर विवादित बयान दिया था। इस बयान के खिलाफ लखनऊ की एसीजेएम में नृपेंद्र पांडेय ने शिकायत की गई थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि राहुल गांधी का बयान समाज में घृणा फैलाने वाला है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र को लगाई डांट

नई दिल्ली,05 मार्च 2025 (ए)। दिल्ली हाई कोर्ट ने आज केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश को लागू न करने पर कड़ी फटकार लगाई है। हाई कोर्ट सुप्रीम कोर्ट के 2006 के विवाह रजिस्ट्रेशन संबंधी आदेश पर सुनवाई कर रहा था। दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि यह तो चौंकाने वाला है कि आप सुप्रीम कोर्ट के आदेश को कैसे लागू नहीं कर रहे हैं। इसी के साथ अदालत ने मोदी सरकार को आदेश दिया कि वे तीन महीने के अंदर शादियों के अनिवार्य पंजीकरण पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करें।

चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने कहा कि यह दयनीय और चौंकाने वाला है कि 2006 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश,जिसमें सभी शादियों को धर्म की परवाह किए बिना अनिवार्य रूप से पंजीकृत करने के लिए कहा गया था,को अभी तक अधिकारियों ने लागू नहीं किया है। उन्होंने आगे कहा कि यह वास्तव में दयनीय है। यह चौंकाने वाला है कि आप सुप्रीम कोर्ट के आदेश को कैसे लागू नहीं कर रहे हैं। हाई कोर्ट ने दोनों सरकारों को एक याचिका पर नोटिस भी जारी किया,जिसमें गृह मंत्रालय को शादी के पंजीकरण के लिए एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने के लिए नियम बनाने का निर्देश देने की मांग की गई है।

सपा के पूर्व एमएलसी वासुदेव यादव गिरफ्तार

प्रयागराज,05 मार्च 2025(ए)। सपा के पूर्व एमएलसी एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व निदेशक वासुदेव यादव को विजिलेंस टीम ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें जार्ज टाउन स्थित उनके आवास से दबोचा गया। वासुदेव यादव के खिलाफ न्यायालय में पेश न होने के कारण गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। विजिलेंस की टीम ने एक सूचना के आधार पर मंगलवार को जार्ज टाउन स्थित उनके आवास पर छापा मारा और गिरफ्तार कर लिया।

3 जुलाई 2025 से शुरु होगी अमरनाथ यात्रा

नई दिल्ली,05 मार्च 2025(ए)। बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए खुशखबरी है, क्योंकि इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा की तिथियों का ऐलान कर दिया गया है। अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने घोषणा की है कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई, 2025 से शुरू होकर 9 अगस्त, 2025 तक चलेगी।

औरंगजेब पर अबू आजमी के बयान पर राजनीति गरमाई

नई दिल्ली,05 मार्च 2025(ए)। औरंगजेब को लेकर विवादित बयान के बाद समाजवादी पार्टी के नेता अबू आसिम आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा से सस्पेंड कर दिया गया है. उन्हें मौजूदा सत्र के लिए सस्पेंड किया गया है. महाराष्ट्र सराकर में मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने विधानसभा सत्र से अबू आजमी को सस्पेंड करने के लिए प्रस्ताव पेश किया था. बीजेपी नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि आजमी को विधायकी से हटाना चाहिए ना कि सिर्फ एक सत्र के लिए उन्हें सस्पेंड करना चाहिए. छत्रपति शिवाजी पूजनीय हैं और उनका अपमान करने वालों को हम आसानी से जाने नहीं दे सकते.

अभिनेत्री रान्या राव सोने की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

बेंगलुरु,05 मार्च 2025(ए)। कन्नड़ फिल्म उद्योग (सैंडलवुड) की जानी-मानी अभिनेत्री रान्या राव को सोने की तस्करी के गंभीर आरोप में गिरफ्तार किया गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने उन्हें बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 14.8 किलोग्राम सोने के साथ पकड़ा, जिसकी कीमत लगभग 12.5 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। यह घटना सोमवार रात की है, जब रान्या दुबई से एमिरेट्स की उड़ान के जरिए बेंगलुरु पहुंची थीं।डीआरआई के अधिकारियों के अनुसार, रान्या पिछले कुछ समय से अपनी लगातार अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के कारण निगरानी में थीं।

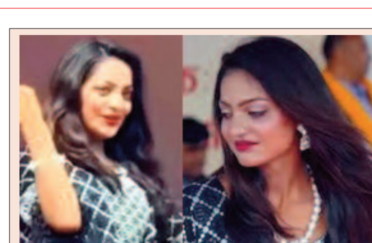

मोनालिसा ने कॉलेज की लड़कियों के साथ लगाए ठुमके

प्रयागराज,05 मार्च 2025(ए)। महाकुंभ में रुद्राक्ष की माला बेचने आई मोनालिसा इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई हैं। वह जल्द ही फिल्मों में डेब्यू करने जा रही हैं। मोनालिसा की पॉपुलैरिटी इन दिनों बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार मोनालिसा इन दिनों नेपाल में हैं, जहां वह लगातार इवेंट्स कर रही हैं। वहीं हर रोज मोनालिसा के इवेंट्स के विडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अब मोनालिसा का नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। अब मोनालिसा का नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। यह वीडियो नेपाल के एक इवेंट का है, जिसमें मोनालिसा डांस करती हुई नजर आ रही हैं।

तेंदुए के हमले का नहीं हत्या का मामला है

सनसनीखेज वारदात से पुलिस भी हैरान

पुणे,05 मार्च 2025(ए)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के दौंड तालुका में एक 51 साल की महिला की कथित तेंदुए के हमले में मौत की खबर सामने आई थी। दौंड के कडेथान गांव की निवासी लताबाई धावड़े की मौत के इस मामले में तीन महीने बाद जो खुलासा हुआ वह हैरान करने वाला था। पुलिस ने पाया है कि वास्तव में लताबाई की हत्या उसके भतीजे ने की थी। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मृतक महिला के भतीजे अनिल धावड़े को उसकी हत्या और इसे गलत तरीके से जानवर के हमले की घटना के रूप में पेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।उन्होंने बताया कि धावड़े के अलावा यवत पुलिस ने लताबाई धावड़े की हत्या के सिलसिले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया, महिला 8 दिसंबर 2024 को गन्ने के खेतों के पास मृत पाई गई थी। उसके सिर पर चोट के निशान और उसके भतीजे द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर माना जा रहा है कि महिला की मौत तेंदुए के हमले में हुई है। हालांकि, वन विभाग इस बात से सहमत नहीं था। जांच के दौरान महिला के स्वाब को नागपुर स्थित फोरेंसिक प्रयोगशाला में भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया कि उसकी मौत किसी जानवर के हमले में नहीं हुई।

महत्वपूर्ण खबर

पीएम मोदी ने कैबिनेट में लिये 3 बड़े फैसले

नई दिल्ली,05 मार्च 2025(ए)। केंद्र सरकार ने बुधवार को केदारनाथ और हेमकुंड साहिब रोप-वे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी है। नरेंद्र मोदी कैबिनेट ने बुधवार को कई बड़े फैसले लिए है। इसमें उत्तराखंड को बड़ी सौगात दी है. कैबिनेट ने नेशनल रोपवे डेवलपमेंट प्रोग्राम-पर्वतमाला परियोजना के तहत उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ तक 12.9 किलोमीटर लंबी रोपवे परियोजना को मंजूरी दी है। इसकी कुल लागत 4,081.28 करोड़ रुपये होगी।.

साइंटिस्ट बाबा ने मोनालिसा के जीवन पर किया बड़ा खुलासा

प्रयागराज,05 मार्च 2025(ए)। साइंटिस्ट बाबा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. जिसमें वह मोनालिसा और उनके लोगों के बारे में बता रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने यह दावा किया है कि वह इन लोगों के साथ रह चुके हैं। अगर मोनालिसा की बात करें तो मैं बनारस में इन जैसे लोगों के साथ रह चुका हूं। उन लोगों के साथ बहुत जिया हूं। मैं घाट पर ही सो जाता था, मैं उनका जीवन देखता था। वह घाट पर ही सो रहे हैं। उनके बच्चों को मेकअप करके शिव बना देते थे, किसी को पार्वती बनाते थे। इस तरीके से वह अपना जीवन बिताते थे। वे लोग मालाएं लपेटकर अलग-अलग जगहों पर बेचते थे। उनका जीवन ऐसा ही होता है, ये लोग कहां से आते हैं. इनका कोई घर भी होता है।

जनता को भिखारी बताने वाले बयान पर बीजेपी-कांग्रेस में रार

भोपाल,05 मार्च 2025(ए)। सरकार से जनता मांगों को भीख बता कर मध्य प्रदेश के पंचायती राज और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल बुरी तरह फंस गए हैं। एक राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी ने उनके बयान को मुद्दा बनाकर पूरे राज्य में प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वहीं, अब पार्टी भी उनसे किनारा करती नजर आ रही है। मंत्री प्रहलाद पटेल के बयान पर भाजपा संगठन और सरकार ने पूरी तरीके से दूरी बना ली है।

यूनिवर्सिटी में बमबाजी से खलबली,दहशत का माहौल

पटना,05 मार्च 2025(ए)। पटना यूनिवर्सिटी के दरभंगा हाउस में दो गुटों में झड़प की खबर है। झड़प के बाद बमबाजी भी हुई, जिसके बाद हड़कंप मच गया। बम के धमाकों से पटना का दरभंगा हाउस गूंज उठा। यह पीरबहोर थाना क्षेत्र के दरभंगा हाउस परिसर की घटना है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पीरबहोर थाने पुलिस के साथ टाउन एएसपी दीक्षा भी पहुंचीं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है. इस दौरान सीसीटीवी फुटेज में बम फेंकते एक युवक की तस्वीर कैद हुई है।

बैंकों का खाली हो गया खजाना,लोन बांटने के पैसे नहीं

प्रयागराज,05 मार्च 2025(ए)। महाकुंभ की चर्चा देश-विदेश में खूब हुई. देश-विदेश से करोड़ों लोग वहां पहुंचे थे इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को बल मिला। लेकिन इस महाकुंभ ने बैंकों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं। महाकुंभ की वजह से अब बैंकों के पास लोन बांटने के लिए भी पैसे नहीं हैं। महाकुंभ में जाने के लिए लोगों ने बैंकों से खूब पैसे निकाले। इसलिए अब उनके पास लोन बांटने के लिए पैसे नहीं बचे।

संपादकीय

ट्रंप की गोल्ड कार्ड योजना

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गोल्ड कार्ड ने पूरी दुनिया को चकमका दिया है। ट्रंप जो कहते हैं वह हमेशा कर भी दें इसकी कोई गारंटी नहीं है।और इसकी भी कोई गारंटी नहीं की जो वह करना चाहते हैं उसे सचमुच कर पाएं, मगर इतना तय है कि उन्होंने पदभार संभालते ही जिस तरह का धूम-धड़ाका किया है उसने कई देशों की नींद उड़ा दी है। कई देशों को चिंता में डाल दिया है तो कई देशों को अपनी अमेरिकी नीति पर पुनर्विचार करने पर बाध्य कर दिया है। भारत भी ट्रंप की घोषणाओं और उसके क्रियान्वयन से अछूता नहीं है।अवैध प्रवासियों की अपमानजनक वापसी की धमक भारत झेल ही रहा था कि अब उसे गोल्ड कार्ड भी परेशानी में डाल रहा है। ट्रंप की गोल्ड कार्ड योजना वास्तव में क्या है किसी के समझ में नहीं आई है। इस योजना के मुताबिक 50 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 44 करोड़ रु पये देकर कोई भी विदेशी नागरिक अमेरिका में बस सकता है और तीव्र गति से अस्थाई नागरिकता प्राप्त करने के लिए अग्रसर हो सकता है।पहली बात तो यह है कि लोग धन कमाने के लिए लोग धन कमाने के लिए अमेरिका जाना चाहते हैं, अपना धन लेकर अमेरिका में बसना नहीं। यहां ट्रंप अमेरिका को एक बिकाऊ माल की तरह बेचना चाहते हैं जैसे कोई अच्छी जमीन बेची जाती है। यानी ट्रंप अमेरिका को ऐसे स्वर्ग के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं जहां किसी भी देश का कोई व्यक्ति 50 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च कर बसना चाहेगा। क्या सचमुच अमेरिका ऐसा स्वर्ग है?अगर भारत की बात करें तो यहां बहुत बड़ी संख्या धनपतियों की है जिन्होंने अनेकानेक गैर कानूनी तरीकों से धनी इकट्ठा किया है और वह इसकी सुरक्षा चाहते हैं। ऐसे लोग भारत में सीधे राजनेताओं या राजनीतिक दलों को अपनी सुरक्षा के लिए धन उपलब्ध कराते हैं। चुनावी चंदे में इस तरह के कई मामले उजागर हुए थे।दूसरी बात जो ट्रंप ने प्रतिभावान विदेशी छात्रों के बारे में कही जो अमेरिका में पढ़ाई करने के बाद नागरिकता नहीं मिलने के कारण अपने मूल देश में लौटकर व्यापार करते हैं और करोड़ों में खेलने लगते हैं।सवाल है कि कोई अमेरिकी कंपनी 50 लाख डॉलर देकर ऐसे प्रतिभावान उद्योगों को नौकरी देने में रुचि क्यों दिखाएगी। इसका कोई ठोस तर्क सामने नहीं है। बहरहाल, जनता की गाढ़ी कमाई को अमेरिका में ले जाकर बसने के भ्रष्ट पूंजीपतियों को गोल्ड कार्ड ने जरूर सुनहरा अवसर दिखा दिया है।

आखिर लोग वोट देने क्यों नहीं निकल रहे?

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

क्या नागरिक कथित राजनीतिक तानाशाही से उत्पीड़ित महसूस कर रहे हैं और ब्रिटिश राज की याद कर रहे हैं? क्या लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया में रुचि कम हो रही है? ये ज्वलंत प्रश्न समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उठाए जा रहे हैं,जो चुनावों में मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट से उजागर होते हैं। चुनाव आयोग के सामने एक बड़ी चुनौती है कि इस क्षेत्र में मतदान प्रतिशत कैसे बढ़ाया जाए। चुनाव प्रक्रिया में अधिकतम भागीदारी को प्रोत्साहित करने के तरीके खोजना आवश्यक है। उच्च मतदान प्रतिशत प्राप्त करने के लिए,मतदाता जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है,लेकिन इसे राजनीतिक विमर्श को ऊपर उठाने के साथ-साथ चलना चाहिए। ये दोनों पहलू आपस में जुड़े हुए हैं,राजनीति की गुणवत्ता में सुधार किए बिना, मतदाताओं को लुभाने के प्रयास परिणाम नहीं दे सकते हैं। यदि हम लोकतंत्र को जीवंत और सार्थक रखना चाहते हैं, तो हम सभी को बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। चुनाव हमारे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। मतदान केवल एक अधिकार नहीं है; यह एक मौलिक कर्तव्य है जिसे हम एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के रूप में निभाते हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि मतदान का दिन केवल छुट्टी या मौज-मस्ती का मौका नहीं है; यह हमारे देश के नेताओं और सरकार को चुनने की गंभीर जिम्मेदारी भी निभाता है, एक ऐसी जिम्मेदारी जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

राजनीति और लोकतंत्र की ताकत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में निहित है। आखिरकार, मतदान एक महत्वपूर्ण शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, और हर मतदाता के लिए इसे पहचानना महत्वपूर्ण है। राष्ट्र हमारा है, और हमारा लोकतंत्र भी हमारा है। इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में, वोट की सबसे बड़ी ताकत होती है। इस शक्ति से हम अपना और अपने बच्चों का भविष्य संवारते हैं। इसलिए, 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह चुनाव में भाग ले। मतदान न करने का विकल्प चुनना अनिवार्य रूप से इस लोकतांत्रिक दायित्व से विमुख होना है। हर मतदाता को अपने व्यस्त जीवन के बावजूद भी चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने का प्रयास करना चाहिए। जिस तरह लोग सुख और समृद्धि के लिए प्रार्थना करने के लिए पूजा स्थलों पर जाने के लिए समय निकालते हैं, उसी तरह हमें संसद को अपने लोकतंत्र के पवित्र स्थान के रूप में देखना चाहिए। चुनाव इस लोकतंत्र का उत्सव है, और मतदान की अपनी जिम्मेदारी को पूरा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्य से, कई आम नागरिकों, खासकर युवाओं, जो हमारे देश का भविष्य हैं, के लिए मतदान करना प्राथमिकता से कम हो गया है। वे अक्सर लोकतांत्रिक प्रक्रिया से सच्चे उत्साह और देशभक्ति के साथ जुड़ने में विफल रहते हैं। कई कामकाजी लोग अपने परिवार के साथ मतदान दिवस का आनंद लेने के लिए उत्सुक रहते हैं, लेकिन युवाओं के लिए मतदान अक्सर पीछे छूट जाता है। उनकी मानसिकता यह होती है, अगर छुट्टियों के मौज-मस्ती के दौरान मेरे पास समय होगा, तो मैं मतदान करूंगा, और अगर उन्हें मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें मिलती हैं, तो वे इस विचार को पूरी तरह से त्याग सकते हैं। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि युवा पीढ़ी के लिए मतदान प्राथमिकता नहीं है, और नागरिक कर्तव्य के महत्व को समझाने के बुजुर्गों के प्रयासों के बावजूद, उनकी सलाह अक्सर अनसुनी हो जाती है। यह मतदान गिरावट में योगदान देने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है।

राजनीति की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि मतदाता अक्सर नेताओं में अपनी पसंद पर सवाल उठाते हैं। एक राजनेता कई सालों तक किसी पार्टी के साथ रह सकता है, सत्ता के लाभों का आनंद ले सकता है, लेकिन जब उन्हें आगामी चुनावों में संभावित हार का आभास होता है, तो वे पार्टी बदल लेते हैं और उसी संगठन की आलोचना करना शुरू कर देते हैं जिसका वे इतने लंबे समय तक हिस्सा रहे हैं। इस व्यवहार ने मतदाताओं का अपने नेताओं पर भरोसा खत्म कर दिया है, जो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए परेशान करने वाला है। आजादी के पचहत्तर साल बाद, दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे पुराना लोकतंत्र भारत, लोकतंत्र में कम होते विश्वास के बारे में वैश्विक चिंताओं का सामना कर रहा है। क्या नागरिक कथित राजनीतिक तानाशाही से उत्पीड़ित महसूस कर रहे हैं और ब्रिटिश राज की याद कर रहे हैं? क्या लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया में रुचि कम हो रही है? ये ज्वलंत प्रश्न समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उठाए जा रहे हैं, जो चुनावों में मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट से उजागर होते हैं। इस मुद्दे की जड़ केवल युवा मतदाता नहीं हैं; यह नई पीढ़ी में राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना पैदा करने में सामूहिक विफलता है। अगर ये मूल्य घर पर उनकी प्रारंभिक शिक्षा का हिस्सा होते, तो शायद आज हम इस स्थिति का सामना नहीं कर रहे होते। अगर हम देशभक्ति और नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर विचार करने के लिए एक पल भी निकालें,तो हम खुद को कमतर पा सकते हैं। दैनिक जीवन की भागदौड़ में, हम अक्सर अपने देश के प्रति अपने कर्तव्यों पर विचार करना भूल जाते हैं। हालाँकि, हमारे पास अभी भी अपने निजी मुद्दों के साथ-साथ राष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचार करने का समय है। हमें अपने देश की वर्तमान राजनीतिक दिशा पर गंभीरता से विचार करना चाहिए; अन्यथा, हम पुरानी कहावत को दोहराने का जोखिम उठाते हैं, अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत?

राजनीति में सिद्धांतों को प्राथमिकता देना ज़रूरी है। राजनीतिक कार्रवाइयों में हमेशा राष्ट्र की भलाई को ध्यान में रखना चाहिए। पार्टी बदलने से पहले हमें यह सोचना चाहिए कि यह फ़ैसला हमारे समर्थकों को कैसे प्रभावित करेगा। नेता तो जल्दी बदल सकते हैं, लेकिन मतदाताओं का दिल जीतने में समय लगता है। मतदान में वृद्धि के लिए नेताओं को मतदाताओं की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए और उनकी भावनाओं से खिलवाड़ करने से बचना चाहिए। लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए राजनीति में मज़बूत आदर्शों की स्थापना की ज़रूरत है, जिससे मतदाताओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। हमें ऐसा माहौल बनाने की ज़रूरत है जहाँ मतदाता स्वेच्छा से मतदान करने के लिए प्रेरित हों। यह केवल राजनीतिक व्यवस्था को बेहतर बनाकर ही हासिल किया जा सकता है। राजनीतिक परिदृश्य को बेहतर बनाने के लिए हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अवसरवादी नेताओं को दूर रखा जाए, ताकि जनता के बीच पार्टी के प्रति सम्मान की भावना बढ़े।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

सुरक्षित जीवन के लिए सुरक्षा महत्वपूर्ण है

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस,जो हर साल 4 मार्च को मनाया जाता है, कार्यस्थलों से लेकर सार्वजनिक स्थानों तक जीवन के सभी पहलुओं में सुरक्षा के महत्व की एक महत्वपूर्ण याद दिलाता है। 1972 में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा शुरू किए गए इस दिन का उद्देश्य दुर्घटनाओं और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा चेतना, प्रतिबद्धता और सक्रिय उपायों की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जैसे-जैसे हम राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2025 के करीब पहुँच रहे हैं, इसके महत्व, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और विभिन्न तरीकों पर विचार करना अनिवार्य है, जिससे व्यक्ति और संगठन सभी के लिए सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देने में भाग ले सकते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस हर साल 4 मार्च को मनाया जाता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के स्थापना दिवस का प्रतीक है। 2025 में, यह मंगलवार को पड़ता है, जो सुरक्षा जागरूकता और कार्यान्वयन के लिए समर्पित एक सप्ताह के अभियान की शुरुआत है। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2025 की थीम विकसित भारत के लिए सुरक्षा और कल्याण महत्वपूर्ण है। यह थीम भारत के विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में सुरक्षा और कल्याण की अभिन्न भूमिका को रेखांकित करती है। यह इस बात पर जोर देता है कि किसी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक विकास से नहीं बल्कि उसके नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण से भी मापी जाती है। भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की स्थापना 4 मार्च, 1966 को भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा एक गैर-लाभकारी, स्व-वित्तपोषित निकाय के रूप में की गई थी। इसका प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण (एसएचई) पर एक स्वैच्छिक आंदोलन उत्पन्न करना, विकसित करना और बनाए रखना है। सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पहचानते हुए, एनएससी ने 4 मार्च, 1972 को अपने स्थापना दिवस के साथ पहला राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस शुरू किया। तब से, यह पालन एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान बन गया है, जिसमें विभिन्न उद्योग, ट्रेड यूनियन, सरकारी क्षेत्र और आम जनता सुरक्षा से संबंधित गतिविधियों में शामिल हो रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस कई महत्वपूर्ण उद्देश्यों को पूरा करता है।

जागरूकता पैदा करना: यह लोगों और कर्मचारियों को दैनिक जीवन और कार्यस्थल में सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित करता है।

निवारक उपाय: दुर्घटनाओं और व्यावसायिक खतरों को रोकने के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

कानूनी अनुपालन: संगठनों और व्यक्तियों को सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के प्रति उनकी कानूनी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है।

सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देना: इसका उद्देश्य ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना है जहाँ सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आए और लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हो। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस/सप्ताह के पालन में विविध दर्शकों को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किए गए कई कार्यक्रम और गतिविधियाँ शामिल हैं:

सुरक्षा प्रतिज्ञा: संगठन और संस्थान सुरक्षित प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए सुरक्षा प्रतिज्ञा लेते हैं।अग्नि सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा, आपातकालीन तैयारी और व्यावसायिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर कार्यशालाएँ और सेमिनार आयोजित किए जाते हैं।

प्रतियोगिताएँ: रचनात्मक जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के लिए सुरक्षा विषयों पर केंद्रित निबंध लेखन, पोस्टर डिज़ाइनिंग और स्लोगन प्रतियोगिताएँ शामिल हैं । सुरक्षा उपकरणों के उपयोग, आपात कालीन प्रतिक्रिया अभ्यास और नकली निकासी पर व्यावहारिक प्रदर्शन,जागरूकता और अपनाने को बढ़ावा देने के लिए सुरक्षा उत्पादों, नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रदर्शन शामिल हैं दुर्घटनाओं से रोकने के लिए किए जाने वाले सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के दौरान औद्योगिक दुर्घटनाओं से बचाव के तरीकों के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस खासतौर पर हजारों सिपाहियों को समर्पित किया जाता है, जो अपनी जान खतरे में डालकर देश की सुरक्षा के लिए सीमाओं पर तैनात रहते हैं। व्यक्ति और संगठन विभिन्न पहलों के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस में भाग लेते हैं।

सुरक्षा ऑडिट: संभावित खतरों की पहचान करने और उन्हें कम करने के लिए कार्यस्थलों या घरों का गहन निरीक्षण करें।

जागरूकता अभियान: सुरक्षा जानकारी का प्रसार करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, न्यूज़लेटर और सामुदायिक बैठकों का उपयोग करें।

कार्यशाला: दर्शकों के लिए प्रासंगिक विशिष्ट सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करें। ऐसी गतिविधियाँ जो राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के पालन को और अधिक प्रभावशाली बना सकती हैं: नेशनल सेफ्टी काउंसिल में एक गैर सरकारी और गैर लाभकारी संगठन के रूप में कार्य करता है. साल 1966 में मुंबई सोसायटी अधिनियम के तहत इस संगठन की स्थापना की गई थी जिसमें आठ हजार सदस्यों को शामिल किया गया था.यह सप्ताह विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग और विभिन्न ओद्योगिक संगठनो द्वारा मिलकर मनाया जाता है. ये संस्थाए विभिन्न कार्यक्रमों और विभिन्न प्रमोशनल मटेरियल्स के द्वारा लोगों में राष्ट्रीय सुरक्षा कि भावना को जागरूक करती है. इन कार्यक्रमों को विभिन्न इलेक्ट्रोनिक मीडिया पत्रिकाओं, समाचार पत्रों और अन्य ओद्योगिक पत्रिकाओं के माध्यम से लोगों तक पहुँचाया जाता है. इस पूरे राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के दौरान राष्ट्रीय स्तर और राज्य स्तर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे वाद-विवाद प्रतियोगिता, सेमिनार, सुरक्षा संदेशो के पोस्टर, स्लोगन, निबंध प्रतियोगिता, सुरक्षा पुरुस्कार वितरण, बैनर प्रदर्शनी, विभिन्न नाटक गीत तथा खेल प्रतियोगिता, विभिन्न कार्यशालाए और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के मुद्दो पर जागरूक किया जाता है.

सहयोग: सुरक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए स्थानीय सुरक्षा संगठनों या विशेषज्ञों के साथ साझेदारी , अनुकरणीय सुरक्षा का प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों या टीमों को मान्यता दें और पुरस्कृत करें।

पिछले कुछ वर्षों में, इस अभियान का विस्तार हुआ है, जिसमें सड़क सुरक्षा, घरेलू सुरक्षा और पर्यावरणीय स्वास्थ्य सहित औद्योगिक खतरों से परे व्यापक सुरक्षा चिंताओं को शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2025 के उद्देश्य

54 वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस और उसके बाद के राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2025 का उद्देश्य निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करना है है: कार्यस्थल सुरक्षा और दुर्घटना की रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पहला राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 1972 में मनाया गया था।

सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देना: दुर्घटनाओं और चोटों को कम करने के लिए व्यक्तियों और संगठनों को निवारक सुरक्षा उपाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है ।

जागरूकता बढ़ाना: कार्यस्थल सुरक्षा, सड़क सुरक्षा और घरेलू सुरक्षा के बारे में श्रमिकों और आम जनता को शिक्षित करना है ।

कार्यस्थल दुर्घटनाओं को कम करना है : दुर्घटना मुक्त कार्यस्थल बनाने के लिए उद्योगों को सुरक्षा नियमों को लागू करने और उनका अनुपालन करने के लिए प्रोत्साहित करना है ।

सुरक्षा मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करें: सरकारी सुरक्षा मानकों और औद्योगिक सुरक्षा नीतियों का पालन करने की वकालत करें।

कर्मचारी भागीदारी को बढ़ावा दें: सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अग्नि अभ्यासों और आपातकालीन प्रतिक्रिया गतिविधियों में श्रमिकों को शामिल करें।

सुरक्षा में तकनीकी नवाचारों को प्रोत्साहित करें: आधुनिक सुरक्षा उपकरण, डिजिटल सुरक्षा प्रशिक्षण और यूएआई-संचालित जोखिम प्रबंधन उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा दें। विकसित भारत 2047 लक्ष्यों का समर्थन करें: इस बात पर जोर दें कि सुरक्षा और कल्याण भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में कैसे योगदान करते हैं।राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2025 का पालन व्यावसायिक स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में सुधार के लिए महत्वपूर्ण महत्व रखता है।

अभियान से लाभ

उद्योग और कार्यस्थल

कर्मचारियों के लिए सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करता है। निर्माण, विनिर्माण और खनन जैसे उच्च जोखिम वाले उद्योगों में दुर्घटना रोकथाम उपायों को बढ़ावा देता है। व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करता है।

आम जनता

सड़क सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा और घरेलू सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाता है।लोगों को प्राकृतिक और औद्योगिक आपदाओं के खिलाफ एहतियाती उपाय करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

3. सरकार और नियामक निकाय सुरक्षा कानूनों और कार्यस्थल विनियमों को मजबूत करता है। उद्योगों को प्रोत्साहित करता है कि वे आपदाओं के खिलाफ़ एहतियाती उपाय करें।

तंबाकू सेवन एक वैश्विक स्वास्थ्य और आर्थिक संकट

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नेतृत्व में एक ऐसी संधि ने बीस साल पूरे कर लिए हैं, जिसका दुनिया भर में जन स्वास्थ्य को व्यापक लाभ मिला है। विश्व में फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल (एफसीटीसी) नामक यह संधि 27 फरवरी 2005 को हुई थी। अब इसे इतिहास की ऐसी पहल के रूप में स्वीकार्यता मिल गई है जिसे न केवल व्यापक रूप से अपनाया गया है बल्कि जिसके अपेक्षित परिणाम भी सामने आए हैं। इस संधि की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी बदौलत लाखों लोगों की जान बचाने में कामयाबी मिली है। मानवता के लिए एक गंभीर संकट बन चुके तंबाकू के दुष्प्रभावों को कम करने में इस संधि की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।यह सर्वविदित है कि तंबाकू मानवता के लिए एक अभिशाप बन चुका है। यह दुनिया में कैंसर, टीबी जैसी बीमारियों और उनकी वजह से होने वाली मौतों कारण बन रहा है। तंबाकू के कारण हर साल लाखों लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 20 प्रतिशत ह्रदय रोगियों की मौत के लिए तंबाकू ही जिम्मेदार है। इसके अलावा यह सामाजिक एवं आर्थिक दबाव भी बढ़ाता है जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अधिक प्रभावित होते हैं।संधि के तहत कई प्रभावी उपाय अपनाए गए हैं जिनका सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। वर्तमान में दुनिया के 138 देशों में सिगरेट के पैकेटों पर चेतावनियां दी जाती हैं, जिससे उपभोक्ताओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कई देशों में तंबाकू उत्पादों की पैकेजिंग को साधारण कर दिया गया है, जिससे ब्रांडिंग और आकषर्क डिजाइन की संभावनाओं को समाप्त करने में मदद मिली है।यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस संधि की बदौलत तंबाकू विज्ञापनों और प्रमोशन पर 66 से अधिक देशों में प्रतिबंध लगाया जा चुका है। सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों और अन्य बंद इमारतों में धूम्रपान निषेध से निष्क्रिय धूम्रपान के कारण होने वाले नुकसान को भी कम करने में मदद मिली है। इससे ऐसे लोगों का जीवन बचाने में सहायता मिली है, जो खुद सिगरेट का प्रयोग नहीं करते पर धूम्रपान करने वाले अन्य लोगों की वजह से इसका खतरा झेलते हैं। इसके परिणामस्वरूप, वि की एक चौथाई आबादी ऐसी नीतियों के दायरे में आ चुकी है, जिससे तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई है।डब्ल्यूएचओ ने संधि की 20 वीं वषर्गांठ के मौके पर कहा है कि तंबाकू के दुष्प्रभावों से बचाव पर केंद्रित यूएन संधि ने पिछले दो दशकों में लाखों-करोड़ों जिंदगियों की रक्षा करने में मदद की है। यह एक तथ्य है कि तंबाकू गैर संचारी रोगों का एक बड़ा कारण है जो न केवल असामयिक मौतों का कारण बनता है, बल्कि इससे प्रभावित लोग विकलागंता का भी शिकार हो सकते हैं।

-अमरपाल सिंह वर्मा-

यादों की लहर एकल हिंदी काव्य-संग्रह का विमोचन

नारी के सुख- दुख और मान-सम्मान पर मानसी का सारगर्भित विश्लेषण

छत्तीसगढ़ कलमकार मंच मस्तूरी, बिलासपुर के तृतीय वार्षिक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन मुंगेली के अमर टापू धाम में किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्षता डॉक्टर एन. डी. चंद्रा (पूर्व कुलपति बस्तर विश्वविद्यालय) ने की। विशिष्ट अतिथि डॉक्टर एस. डी. बंजारे (प्राध्यापक) छत्तीसगढ़ कलमकार मंच के प्रदेशाध्यक्ष एवं संस्थापक डॉक्टर किशन टंडन क्रांति थे। इस अवसर पर मंजूलता मेरसा को कलमकार साहित्य श्री अलंकरण 2025 सम्मान पत्र एवं सृजन साझा काव्य-संग्रह प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर प्यारेलाल आदिले (प्रभारी प्राचार्य जे.बी.डी. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय कटघोरा), डॉक्टर पी. आर. कठौतिया (प्रभारी प्राचार्य डभरा कॉलेज), डॉक्टर गुलाबचंद भारद्वाज (विभागाध्यक्ष समाज शास्त्र एवं प्रभारी प्राचार्य लक्ष्मेश्वर स्नाकोत्तर महाविद्यालय खरौद), छत्तीसगढ़ की पंथी लोक गायिका तारा कुलकर्णी एवं दुर्गा बघेल अध्यक्ष गुरु अमरदास सेवा समिति अमर टापू धाम, मोतीपुर, मुंगेली छत्तीसगढ़ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया। सृजन साझा काव्य-संग्रह (संपादक डॉक्टर किशन टंडन क्रांति) कभी-कभी अभिव्यक्ति संग्रह (डॉक्टर किशन टंडन क्रांति) एवं यादों की लहर कृष्णा मानसी की एकल हिंदी काव्य-संग्रह का विमोचन किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ कलमकार मंच के संरक्षक डॉक्टर गोवर्धन मार्शल एवं कलमकार साहित्य मंच के नव ऊर्जा से ओतप्रोत साहित्यकार उपस्थित रहे एवं कविता पाठ कर श्रोतागण को मंत्र मुग्ध करते हुए सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संदेश दिया गया।

यादों की लहर नामक एकल हिन्दी काव्य-संग्रह में समाज में फैली अच्छाई और बुराई, प्रेम के भावों और अभावों एवं अतीत के खट्टे-मीठे एहसासों को शब्दों में पिरो कर लयबद्ध करने की कोशिशें की गई है। यादों की लहरों में डूब कर कवयित्री के द्वारा अपने मन के भावों को कविता के रूप में प्रस्तुत किया गया है। अंतर्मन के पुकार को ग़ज़लों, गीतों, और कविताओं में प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया है। नारी के सुख और दुख, मान और सम्मान पर प्रकाश डाला है। रिश्तों की अहमियत रिश्तों को खोने का डर और खोए हुए रिश्तों के ग़म में मिले ज़ख्मों का दर्द बयां किया है। जीवन के मुश्किल घड़ी से कैसे बाहर निकले इसके लिए प्रेरणात्मक कविताओं का सृजन किया गया है।

कविता
होली की बहार

घटती-घटना

चंद्रकांत खूंटे
जांजगीर चांपा
छत्तीसगढ़

वो कहते हैं मैं कूदना चाहता हूँ समंदर में
देखने खातिर,कि कितना गहरा है
जिसकी कितनी ऊँची लहरा है?
पर मुझे तो नाव मयस्सर नही
पतवार भी परस्पर नही
जब एक बार चुना जाऊँगा नाविक
सबको सुख मिलेगा भौतिक
कोई नहीं दुखी होगा उदर को लेकर।
मैं तो रोजगार दिलाऊँगा
खुद रोजी करूँगा,पयोधि में उतरकर
लोगों ने विश्वास कर नाविक बना दिया
हो भला करके पतवार थमा दिया
फिर अभिमान में चूर हो गया
ले आये महँगे शूट पहनने लगे विदेशी बूट
अब इधर-उधर घूम मशहूर हो गया
निज कर्तव्य भूलने लगा।
लोगों के स्मरण में नेता झूलने लगा।।

कविता
तुम बिन अधूरे हैं हम

घटती-घटना

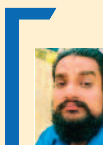

प्रेम ठक्कर
सूरत,गुजरात

तेरी यादों में हर रोज़ जलते रहे,
तेरी राहों में उम्मीदें पलते रहे।
दिल में बस एक ही है गम,
दिकु, तुम बिन अधूरे हैं हम।
चाँद भी खोया है, रातें भी है सूनी,
बिखरी हुई साँसों में ख्वाहिशें मैंने है बुनी।
हर धड़कन लगती है जैसे भरम,
दिकु, तुम बिन अधूरे हैं हम।
सावन की बूँदें तुझको बुलाएँ,
पंछियों की बोली तेरा ही नाम गुनगुनाएँ।
हर मौसम लगे अब अलम,
दिकु, तुम बिन अधूरे हैं हम।
गीतों में अब ना वो लय रही,
आँखों में भी ना कोई चमक रही।
बिन तेरे प्रेम का हर लफ्ज़ है कम,
दिकु, सच में तुम बिन अधूरे हैं हम।
प्रेम का इंतज़ार अपनी दिकु के लिए

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

जिले के 4 जनपदों पर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के लिए भाजपा का कब्जा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में पहले चरण में चार जनपदों में बुधवार को अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी हो गयी। जनपद कार्यालय लखनपुर,लुण्ड्रा, बतौली व सीतापुर में पूरे दिन गहमागहमी की स्थिति रही। इन चारों जनपदों में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर भाजपा का कब्जा रहा। लखनपुर से शशिकला, लुण्ड्रा से कृष्णा पावले,बतौली से अनीता तिर्की व सीतापुर से स्नेहलता टोप्पो अध्यक्ष चुने गए हैं।

सरगुजा जिले के लखनपुर जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में बुधवार को भाजपा से पर्यवेक्षक ललन प्रताप सिंह के उपस्थिति में जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव संपन्न हुआ। अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज सहित पार्टी पदाधिकारी की मनसा अनुरूप क्षेत्र के 18 जनपद सदस्यों के सर्व सहमति से जनपद अध्यक्ष शशि कला सिंह और जनपद उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े चुने गए हैं। वहीं जनपद पंचायत लुण्ड्रा में पीठासीन एवं सह पीठासीन अधिकारी ने निर्वाचन में शामिल सभी जनपद सदस्यों की सहमति से चुनाव प्रक्रिया सुबह 11 बजे से प्रारंभ की गई। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए दो अभ्यर्थी ने अपनी दावेदारी पेश की। जिसमें कुसुम के पक्ष में 6 मत, तो वहीं कृष्णा पावले के पक्ष में 11 मत प्राप्त कर अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुए। वहीं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष के लिए कंचन जायसवाल निर्विरोध चुनी गई। वहीं जनपद पंचायत बतौली से अध्यक्ष पद के लिए दो अभ्यर्थी ने दावेदारी पेश की जिसमें लीलावती सिंह को 4 मत एवं अनिता तिर्की को 11 मत पाकर अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुई। वहीं उपाध्यक्ष पद पर मंजू गुप्ता निर्विरोध चुनीं गई।

इसी प्रकार जनपद पंचायत सीतापुर से अध्यक्ष पद पर स्नेहलता टोप्पो एवं उपाध्यक्ष पद पर अनिल अग्रवाल निर्विरोध चुने गए।

आपसी विवाद में बड़े भाई ने रॉड से हमला कर छोटे भाई को उतारा मौत के घाट

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

आपसी विवाद पर बड़े भाई ने छोटे भाई के ऊपर रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। मामले में गांधीनगर पुलिस ने आरोपी बड़े भाई को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार रामजी दुबे गांधीनगर थाना क्षेत्र के मुक्तिपारा का रहने वाला है। इसके तीन बेटे हैं। मंगलवार की शाम करीब 6 बजे रामजी दुबे का बड़ा बेटा कुश दुबे उर्फ छोटु उर्फ गौतम दुबे उम्र 28 वर्ष व मझले बेटा शुभम दुबे उम्र 25 वर्ष किसी बात को लेकर आपस में विवाद करने लगे। इस दौरान घर में इन दोनों भाइयों के अलावा उनकी दादी थी। दोनों भाइयों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर बड़े भाई ने अपने मझले भाई पर रॉड से हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया और घर में ही बेहोश हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर पिता व छोटा भाई लव दुबे घर पहुंचा और गंभीर रूप से जख्मी शुभम को इलाज के लिए मिशन अस्पताल ले गए। यहां लगभग 20 मिनट तक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का छोटा भाई लव दुबे ने बताया कि आरोपी शराब के नशे में था। घटना के दौरान बीच बचाव करने की कोशिश की दादी के साथ भी मारपीट किया है। सूचना पर गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और मृतक के छोटे भाई लव दुबे की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी कुश दुबे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त रॉड जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 103(1) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

विवाहिता की खुदकुशी के मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

विवाहिता द्वारा की गई खुदकुशी के मामले में जांच के बाद थाना गांधीनगर पुलिस ने आरोपी पति के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक नमनाकला पावर हाउस के पास हाउसिंग बोर्ड निवासी वर्षा कुजूर पति आकाश अलदीप बेक 28 वर्ष फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी, जिसे फांसी के फंदे से उतारकर स्वजन मिशन अस्पताल ले गए थे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया था और इसकी सूचना पुलिस चैकी होलीक्रॉस अस्पताल में दी गई थी। पुलिस ने शव पंचनामा के बाद मामले में मर्ग कायम करके मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया था और अग्रिम जांच, विवेचना के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट के साथ मर्ग डायरी गांधीनगर थाना पुलिस को सौंपा था। जांच दौरान मृतिका के मायके पक्ष के स्वजन एवं वारिसानों का कथन व घटनास्थल निरीक्षण पुलिस ने किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य परिस्थित जन्य साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने पाया कि मृतिका वर्षा कुजूर अपने पति के प्रताड़ना से तंग आकर फांसी लगाकर खुदकुशी की है। इसके बाद पुलिस ने मृतिका के पति आकाश एलदीप बेक पिता स्व. अगस्तीन बेक 29 वर्ष के विरूद्ध आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने का मामला दर्ज किया।

नव निर्वाचित महापौर व सभापति ने किया फिल्टर प्लांट का निरीक्षण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

नगर निगम के नव निर्वाचित महापौर मंजूषा भगत व सभापति हरमिन्दर सिंह टिन्नी सहित अन्य पार्षद बुधवार को फिल्टर प्लांट पहुंचकर निरीक्षण किया और वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। गर्मी के दिनों में शहर में पानी की समस्या उत्पन्न न हो इसके लिए महापौर ने निगम के अधिकारी व कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिया हैं। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि निरीक्षण के दौरान कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। पिछली सरकार छोटी-छोटी समस्याओं पर ध्यान नहीं देती थी। उसी छोटी-छोटी समस्या को दूर किया जएगा और गर्मी में पानी की किल्लत को नहीं आने दी जाएगी। 48 वार्ड में कई ऐसे वार्ड हैं जहां पानी पर्याप्त नहीं मिलती है। कोशिश है कि पूरे 48 वार्डों में पर्याप्त मात्रा में पानी पहुंचे। इसके लिए विभाग के ईई को निर्देशित किया गया है कि सभी वार्डों में पानी बराबर मिले। सबसे ज्यादा पानी की समस्या नमनाकला व गांधीनगर क्षेत्र में देखने को मिलता है। वहीं सभापति हरमिन्दर सिंह टिन्नी ने कहा कि महापौर मंजूषा भगत ने पदभार ग्रहण करने के बाद सबसे पहले पानी की चिंता की है। इसीलिए हमलोग निरीक्षण करने पहुंचे हैं। छोटी-छोटी समस्याएं हैं उसे दूर किया जाएगा।

नशे की हालत में स्कूल पहुंचे शिक्षक को डीईओ ने किया सस्पेंड

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

नशे की हालत में स्कूल पहुंचे शिक्षक को जिला शिक्षा अधिकारी ने सस्पेंड कर दिया है। मामला लखनपुर ब्लॉक के ग्राम गुमगरा खुर्द बस्ती पारा के प्राइमरी स्कूल का था। स्कूल में पदस्थ शिक्षक 24 फरवरी को नशे की हालत में स्कूल पहुंचा था।

जानकारी के अनुसार शैलेंद्र सिंह पोर्ते लखनपुर ब्लॉक के गुमगरा खुर्द बस्ती पारा के प्राइमरी स्कूल में सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ है। वह अक्सर शराब सेवन कर स्कूल आता था और बच्चों के साथ मारपीट भी करता था। 24 फरवरी को भी वह शराब सेवन कर स्कूल पहुंचा था। ग्रामीणों ने इसका विरोध किया और स्कूल का घेराव किया था। ग्रामीणों ने सहायक शिक्षक शैलेंद्र सिंह पोर्ते की शिकायत अधिकारियों से की गई थी। संकुल समन्वयक विनोद गुप्ता ने स्कूल पहुंचकर जांच की तो शिक्षक शैलेंद्र सिंह पोर्ते नशे की हालत में मिला। संकुल समन्वयक ने भी बताया था कि कई बार बीईओ ने उन्हें नोटिस जारी किया था और वेतन भी रोका गया था, लेकिन शिक्षक नहीं सुधरा। शिक्षक के खिलाफ जांच प्रतिवेदन मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा अशोक सिन्हा ने शराबी शिक्षक शैलेंद्र सिंह पोर्ते को निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में शिक्षक को मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय उदयपुर अटैच किया गया है।

टीचिंग प्लान प्रतियोगिता में छात्राध्यापकों ने लिया भाग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

डीएलएड द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों के लिये टीचिंग प्लान प्रतियोगिता का आयोजन टीचेबल वेब एप द्वारा बुधवार को जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान अंबिकापुर में किया गया। इस प्रतियोगिता में सभी छात्राध्यापकों के लिए पर्यावरण विज्ञान, विज्ञान हिन्दी, अंग्रेजी संस्कृत गणित एवं सामाजिक विज्ञान विषयों में से कुछ चुनिंदा केस एवं चुनौतियों दी गई। जिसमें से सभी प्रतिभागियों ने अपने पसंद के विषय के की चुनौतियों को चुन कर उस पर टीचिंग प्लान योजना का निर्माण किया एवं उसे टीचेबल वेब एप पे अपलोड किया एवं हाईकोपी जिलाशिक्षा प्रशिक्षण संस्थान अंबिकापुर में जमा किया।

इस जमा की गई कुल कॉपियों में से सबसे बेहतर 2 टीचिंग प्लान (एक प्राथमिक और एक उच्चतर प्राथमिक) का चयन करके जिलाशिक्षा छत्तीसगढ़ और स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन के दिये गए ई-मेल पे भेजा जाएगा। इस पूरे आयोजन में सभी छात्राध्यापकों ने पूरे उत्साह से भाग लिया। आयोजन की शुरुवात में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अंबिकापुर के प्राचार्य एवं सेवा-पूर्व प्रशिक्षण खंड के प्रभारी तथा अन्य फेकल्टिस ने छात्राध्यापकों को सफलता पाने हेतु प्रेरित किया। आयोजन के पश्चात विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किया जो की बहुत रोचक था। इस आयोजन के आगामी कड़ी में 5 अप्रैल को प्रत्येक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान से 2 बेस्ट टीचिंग प्लान बनाने वाले 2 छात्राध्यापकों यानि कुल 18 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान से चयनित कुल 36 छात्राध्यापकों के साथ इस प्रतियोगिता का फाइनल राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद रायपुर में आयोजित किया जाएगा एवं प्राथमिक और उच्चतर प्राथमिक दोनों श्रेणी से प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पाने वाले छाराध्यापकों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान से केसी गुप्ता (प्राचार्य) ओंकारनाथ तिवारी (पीएसटी प्रभारी), अशोक पांडेय एवं स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन से हिमांशु राजमाने एवं स्टूडेंट एंबेसडर लुकेश उपस्थित थे।

सरगुजा में मानव तस्करी का बड़ा खेल...मैनपाट का एजेंट बना सौदागर...ग्रामीणों को बेचने का सनसनीखेज आरोप

» सरगुजा में मानव तस्करी का खुलासा, मैनपाट के एजेंट पर बड़ा आरोप

- संवाददाता -
अंबिकापुर,05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में मानव तस्करी का गोरखधंधा जारी है। ताजा मामला मैनपाट का है,जहां एक स्थानीय एजेंट पर ग्रामीणों को तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों में बेचने का गंभीर आरोप लगा है।

काम के नाम पर छलावा

मैनपाट निवासी एजेंट ने एक उरांव जनजाति के ग्रामीण को बेहतर रोजगार देने का लालच दिया और उसे बोर गाड़ी में काम दिलाने के बहाने तमिलनाडु भेज दिया। लेकिन हकीकत कुछ और थी–वहां उसे बंधुआ मजदूर बना दिया गया और अमानवीय परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया गया।

तस्करों के चंगुल से भागकर पहुंचा घर

शोषण और यातना सहने के बाद, पीड़ित ग्रामीण किसी तर तस्करों के चंगुल से निकलने में सफल रहा। लेकिन उसके लिए घर लौटना आसान नहीं था। कई दिनों तक पैदल चलने के बाद वह किसी तरह अपने गृह पहुंचा।

पुलिस कर रही जांच, कड़ी कार्रवाई की तैयारी

घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही सीतापुर पुलिस सक्रिय हो गई। पीड़ित ग्रामीण को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। वहीं, पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच में जुट गई है।

सीताप कथन के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन अब यह पता लगाने में जुटा है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है और कितने अन्य ग्रामीण इस तस्करी के शिकार हो चुके है.

मानव तस्करी पर रोकथाम की जरूरत

यह घटना मानव तस्करी के बढ़ते खतरे की ओर इशारा करती है, जहां भोले-भाले ग्रामीणों को काम दिलाने के नाम पर धोखा दिया जाता है। प्रशासन और स्थानीय पुलिस को इस तरह के अपराधों पर सख्त नजर रखने और कठोर कार्रवाई करने की जरूरत है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

2071 मरीजों में से 1544 में पाया गया कम सुनने की शिकायत

» विश्व श्रवण दिवस पर स्पीच थैरेपी सेन्टर का उद्घाटन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

विश्व श्रवण दिवस 3 मार्च के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बधिरता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत श्रवण क्षमता के बचाव के लिए जागरुकता सबंधित कार्यक्रम सप्ताह भर 3 से 10 मार्च तक चलाए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के तहत संयुक्त संचालक स्वास्थ्य डॉ. अनिल कुमार व चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम द्वारा समीक्षा की गई व नवीन स्पीच थैरेपी सेन्टर का उद्घाटन किया गया। श्रवण बाधित 5 मरीजों को समाज कल्याण विभाग के सहयोग से श्रवण यंत्र निःशुल्क प्रदान किया गया। वर्ष भर सुनाई से सबंधित 2071 जांच हुए जिसमें 1544 मरीजों में सुनाई से संबधित क्षमता में कमी पाया गया। सुनाई क्षमता में कमी का प्रमुख कारण संक्रमण ध्वनि प्रदूषक व कान में आई चोट पाई गई है। वहीं 5 वर्ष से कम उम्र की आयु में श्रवण क्षमता में कमी का कारण अनुवांशिकी या 5 वर्ष तक बच्चों के श्रवण क्षमता पर ध्यान न देना व समय पर ईलाज न किया जाना पाया गया। कार्यक्रम में अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या, सिविल सर्जन डॉ.जेके रेलवानी, डॉ. बीआर सिंह विभागाध्यक्ष नाक कान गला रोग, डॉ. जीके दामले, अस्पताल सलाहकार स्वास्ति शुक्ला, वशीउर रहमान ऑडियोलॉजिस्ट अंकित कुमार सिंन्हा, आभा साहू, सत्यप्रकाश पैकरा, मीना राव, संध्या साहू उपस्थित रहे।

शुरू किया जाएगा काक्लियर इम्पलांट की सुविधा

नोडल अधिकारी राष्ट्रीय बधिरता नियंत्रण कार्यक्रम डॉ. शैलेंद्र गुप्ता ने बताया कि 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में बधिरता को काक्लियर इम्पलांट के माध्यम से पूरी तरह ठीक की जा सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में काक्लियर इम्पलांट के लिए अधिष्ठाता द्वारा अभियान चलाकर कार्य करने की बात कही गयी। शासन के मंशा अनुरूप सभी काक्लियर इम्पलांट के योग्य बच्चों को बाल श्रवण योजना के तहत ऑपरेशन की सुविधा निकट भविष्य में चिकित्सा महाविद्यालय में शुरू किया जायेगा। काक्लियर इम्पलांट बच्चों को चिन्हांकित कर नवीन स्पीच थैरेपी सेन्टर के माध्यम से 6 महीने तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण पहले सप्ताह में 1 दिन होता था अब ये सुविधा सोमवार से शनिवार तक प्रत्येक दिवस मिलेगा। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में एक दिन के उम्र के बच्चों से लेकर बडों की श्रवण जांच क्षमता से सबंधित सभी ऑडियोमेट्री जांच पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध है। संयुक्त संचालक सरगुजा संभाग अम्बिकापुर डॉ. अनिल कुमार राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 0-18 वर्ष में सुनने की क्षमता की जांच अनिवार्य रूप से कराये जाने की बात रखी।

पोप फ्रांसिस की सेहत में हुआ सुधार, रात में अच्छी नींद ली,लेकिन अभी भी पूरी तरह खतरे से बाहर नहीं

वेटिकन,05 मार्च 2025। न्यूमोनिया की समस्या से जूझ रहे पोप फ्रांसिस की हालत में थोड़ा सुधार हुआ है। पोप फ्रांसिस के ताजा स्वास्थ्य अपडेट में बताया गया है कि बीती रात वह अच्छे से सोए और बुधवार को भी उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। हालांकि अब भी उन्हें वेंटिलेशन पर रखा गया है। वेटिकन ने बताया है कि पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर है, लेकिन अभी भी खतरा टला नहीं है।

क्या है पोप फ्रांसिस को समस्या...88 वर्षीय पोप फ्रांसिस फेफड़ों की समस्या से जूझ रहे हैं। युवावस्था में ही उनके एक फेफड़े में समस्या हो गई थी, जिसके चलते उनकी हालत अब और गंभीर है। पोप फ्रांसिस को बाहर से ऑक्सीजन दी जा रही है। पोप को 14 फरवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पोप फ्रांसिस बायलेटरल निमोनिया से पीड़ित हैं। इस संक्रमण में फेफड़ों के अंदर मौजूद एयर सैक्स में सूजन पैदा हो जाती है। साथ ही फेफड़ों में लिक्विड भर जाता है। इसमें मरीज को सांस लेने में दिक्कत होती है और मरीज को खांसी, बुखार, ठंड, बदन दर्द और कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

जयशंकर ने ब्रिटेन के विदेश मंत्री से की मुलाकात, व्यापार समझौते और रणनीतिक सहयोग पर की चर्चा

लंदन,05 मार्च 2025। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ब्रिटिश समकक्ष डेविड लैमी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने भारत-ब्रिटेन संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई। इस बातचीत में व्यापार समझौते, रणनीतिक सहयोग और राजनीतिक संबंध शामिल थे। यह बैठक केंट में स्थित शेवेनिंग हाउस में दो दिनों तक चली। लैमी ने जयशंकर की मेजबानी की। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन संघर्ष सहित कई वैश्विक मुद्दों पर भी सलाह-मशविरा किया।

सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में दोनों नेताओं को ऐतिहासिक 17 वीं सदी के शेवेनिंग हाउस का दौरा करते और उसके बगीचों में टहलते हुए गहन बातचीत में मशगूल देखा गया। इस मुलाकात और बातचीत के बाद जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया कि बातचीत व्यापक और उत्पादक रही। उन्होंने कहा कि इस दौरान व्यापार, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और लोगों के आपसी संबंधों जैसे विषयों पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने अपने संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए आगे की रूपरेखा पर सहमति जताई।

छह दिवसीय दौरे में कई उच्च स्तरीय बैठके करेंगे जयशंकर

इसके अलावा, उन्होंने यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया, बांग्लादेश और कॉमनवेल्थ जैसे क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बात की। जयशंकर ने कहा कि आज की अस्थिर दुनिया में भारत-यूके संबंध स्थिरता और समृद्धि लाने में योगदान देते हैं। जयशंकर मंगलवार शाम अपनी पत्नी क्योको जयशंकर संग शेवनिंग हाउस पहुंचे थे। जयशंकर अपनी छह दिवसीय इस यात्रा के दौरान यूके और आयरलैंड में कई उच्च स्तरीय बैठकें करेंगे, विदेश नीति से जुड़े मामलों पर चर्चा करेंगे और भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात करेंगे।

जयशंकर की यात्रा से मजबूत होंगे भारत-ब्रिटेन संबंधः विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा है कि इस यात्रा से दोनों देशों के संबंधों को और मजबूती मिलेगी। बुधवार को विदेश मंत्री ने चैथम हाउस के रूप में मशहूर लंदन के रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स में भारत का उदय और विश्व में भूमिका विषय पर वार्तालाप सत्र में भाग लिया। चैथम हाउस की निदेशक और मुख्य कार्यकारी ब्रोनवेन मैडॉक्स उनसे बातचीत की। इसमें भारत की विदेश नीति और यूक्रेन तथा मध्य पूर्व जैसे प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर भारत की स्थिति पर बात हुई।

2022 का यूक्रेनी कानून जेलेंस्की को पुतिन के साथ बातचीत करने से रोकता है, क्रेमलिन का बड़ा दावा

मॉस्को, 05 मार्च 2025। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से जारी संघर्ष के बीच क्रेमलिन ने बड़ा दावा किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बुधवार को कहा कि 2022 में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत को खारिज करने वाले यूक्रेनी फरमान से यह सवाल उठता है कि तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से संभावित शांति वार्ता में कौन शामिल हो सकता है। दिमित्री पेसकोव ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को %रूसी पक्ष के साथ बातचीत करने से अभी भी कानूनी रूप से प्रतिबंधित किया गया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि यह सकारात्मक है कि वोलोडिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को रूस के साथ शांति वार्ता करने की इच्छा जताई, लेकिन यूक्रेनी फैसले के अनुसार, विवरण में कोई बदलाव नहीं आया है। सितंबर 2022 में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने एक फैसले पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें कहा गया था कि जब तक रूस ने यूक्रेन के चार क्षेत्रों-डोनेट्स्क,लुहांस्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया को अवैध रूप से अपने साथ मिला लिया है, तब तक पुतिन से कोई बातचीत संभव नहीं है।

संघर्ष के बीच अमेरिका ने दिया यूक्रेन का झटका

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को दी जा रही महत्वपूर्ण सैन्य सहायता को रद्द कर दिया है, ताकि जेलेंस्की पर दबाव डाला जा सके और युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत शुरू करने की ओर प्रेरित किया जा सके। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि क्या ये मदद फिर से शुरू होगी। यूक्रेनी सैनिकों को रूस की सेना की प्रगति को रोकने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ रहा है, खासकर पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में और अब तक रूस को कोई बड़ा रणनीतिक फायदा नहीं हुआ है। युद्ध के कारण हजारों सैनिक और 12,000 से अधिक यूक्रेनी नागरिकों की जान जा चुकी है।

घर में घुसकर महिला के गले से मोहर खींचकर भागा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 05 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम उमरौली में 1 मार्च की शाम को घर के अंदर घुसकर महिला के गले से सोने का मोहर खींचकर अज्ञात व्यक्ति फरार हो गया। महिला ने मामले की रिपोर्ट लखनपुर थाना में दर्ज कराई है।

शिवकुवेर बरगाह ने पुलिस को बताया है कि 1 मार्च को शाम 6.30 बजे वह लाइट बंद करके बिस्तर में लेटी थी, उसका पति बालसाय बरगाह सरपंच के रैली में गया था। शाम 7 बजे के लगभग अज्ञात व्यक्ति उसके घर का दरवाजा खोलकर अंदर घुसा और गले से सोने का मोहर अचानक खींचकर भाग गया। घटना के बाद वह शोर मचाई पर वह फरार हो गया। सोने के मोहर की कीमत लगभग 30 हजार रुपये बताई जा रही है। महिला ने मामले की रिपोर्ट लखनपुर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही है।

लखनपुर जनपद में भाजपा का कब्जा जनपद अध्यक्ष शशि कला सिंह और उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े निर्विरोध निर्वाचित

- संवाददाता -
लखनपुर,05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में बुधवार को जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव संपन्न हुआ। अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज सहित पार्टी पदाधिकारी की मनसा अनुरूप क्षेत्र के 18 जनपद सदस्यों के सर्व सहमति से जनपद अध्यक्ष श्रीमती शशि कला सिंह और जनपद उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े चुने गए हैं। जिसे लेकर पार्टी कार्यकताओं में हर्ष व्याप्त है।आतिशबाजी ढोल नगाड़े के साथ जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को फूल माला पहनाकर बधाई और शुभकामनाएं दी गई। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, रवि महंत लुण्ड्रा विधायक प्रतिनिधि राकेश साहू, भाजपा नेता दिनेश साहू, प्रेमानंद तिग्गा निर्वाचित जनपद सदस्यगण सहित बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे। नव निर्वाचित जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष लखनपुर विधायक निवास पहुंचे जहां जिला पंचायत सदस्य विजय अग्रवाल विधायक प्रतिनिधि राहुल अग्रवाल राकेश अग्रवाल ,रवि अग्रवाल सौरभ अग्रवाल समीम खान हासिम खान फूल माला पहनकर स्वागत करते हुए मुंह मीठा करा कर बधाई और शुभकामनाएं दी गई।

बलरामपुर जिला पंचायत चुनावः हीरामनी निकुंज बनीं अध्यक्ष,सिद्धनाथ पैकरा ने कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम पर लगाए गंभीर आरोप

» बलरामपुर जिला पंचायत अध्यक्ष/उपाध्यक्ष निर्वाचन परिणाम

- संवाददाता -
बलरामपुर,05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले में जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन संपन्न हो गया। इस चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशियों के बीच मुकाबला हुआ, जबकि उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

जिला पंचायत अध्यक्ष पद का परिणाम

अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशियों ने दावेदारी पेश की...
हीरामनी निकुंज
सिद्धनाथ पैकरा
मतदान के बाद हीरामनी निकुंज को 9 मत मिले,जबकि सिद्धनाथ पैकरा को 5 मत प्राप्त हुए। इस तरह हीरामनी निकुंज ने विजय प्राप्त कर बलरामपुर की नई जिला पंचायत अध्यक्ष बन गईं।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष पद का परिणाम

उपाध्यक्ष पद पर धीरज सिंह देव ने नामांकन दाखिल किया था, और चूंकि उनके खिलाफ कोई प्रत्याशी नहीं था, उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

सिद्धनाथ पैकरा ने कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम पर लगाए गंभीर आरोप

मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद पूर्व संसदीय सचिव सिद्धनाथ पैकरा ने जिले के कद्दावर नेता और कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राम विचार नेताम ने चुनाव के दिन भाजपा कार्यालय में उन्होंने सदस्यों को उनके पक्ष में मतदान करने से मना कर दिया।

सिद्धनाथ पैकरा ने आरोप लगाया कि राम विचार नेताम,उनकी पत्नी (पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा नेताम) और उनकी पुत्री (निशा नेताम) ने जिले के विकास के लिए कोई काम नहीं किया।

उनका दावा है कि सभी सदस्य पहले उन्हें अध्यक्ष बनाने के लिए सहमत थे, लेकिन अंतिम समय में राम विचार नेताम के हस्तक्षेप के कारण उनका समर्थन कम हो गया।

राजनीतिक सरगर्मी तेज

इस चुनाव के बाद बलरामपुर की राजनीति में सरगर्मी तेज हो गई है। सिद्धनाथ पैकरा के आरोपों से भाजपा के भीतर असंतोष की चर्चा होने लगी है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि राम विचार नेताम इन आरोपों का क्या जवाब देते हैं

गंदी नीयत,गाली-गलौज, मानसिक प्रताड़ना...

महिला हेड कांस्टेबल ने थाना प्रभारी पर लगाए गंभीर आरोप...हो गई टीम गठित

- विशेष संवाददाता -
सूरजपुर,05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले की रामानुजनगर थाना के प्रभारी पर वहां की एक महिला हेड कांस्टेबल ने गंभीर आरोप लगाए हैं. महिला का कहना है कि प्रभारी उनके खिलाफ गलत नीयत, गाली-गलौज और अन्य काम करता है। मामले की जांच के लिए एक खास जांच टीम गठित की गई है. आइए आपको पूरे मामले की जानकारी देते हैं।

सूरजपुर में रामानुजनगर थाना प्रभारी पर महिला हेड कांस्टेबल ने आरोप लगाया है. उसने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है कि थाना प्रभारी उसपर गलत नीयत, गाली-गलौज और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है। महिला ने न्याय की मांग की है। इसपर एक्शन लेते हुए एसपी ने जांच के लिए एक खास टीम का गठन किया है। दरअसल, फूलमती राजवाड़े महिला हेड कांस्टेबल, जिनकी पदस्थापना प्रेमनगर थाना में है, जो कि रामानुजनगर थाना इलाके में निवास करती है, सूरजपुर पुलिस अधीक्षक को लोकहित शिकायत कर आरोप लगाया है कि बीते दिनों उनके और उनके पति ने पारिवारिक विवाद में थाना रामानुजनगर में मौखिक रूप से शिकायत की थी।

महिला कांस्टेबल ने थाना प्रभारी के खिलाफ दर्ज कराई लिखित शिकायत

मजबूरी का उठाया फायदा

महिला कांस्टेबल ने शिकायत किया कि मामले के संबंध में उसे और उसके पति को अलग-अलग समय में बुलाया गया।

महिला हेड कांस्टेबल का आरोप है कि इसका फायदा उठाकर उसी समय से थाना प्रभारी राजेंद्र साहू उसपर गलत नीयत रखने लगा और बोला कि तुम तो नौकरी करती हो, अपने पति को तलाक क्यों नहीं दे देती...और हमेशा किसी बहाने उससे बात करने की कोशिश में लगा रहता था. महिला ने कहा कि उसने रिस्पॉन्स नहीं देने या उसकी बातें नहीं मानने पर दबाव बनाने के लिए उसके बेटे के खिलाफ बड़ी चलानी कार्रवाई कर दी, जिसके बाद भी महिला उसके झांसे में नहीं आई।

सूरजपुर जिले में महिला कांस्टेबल के साथ थाना प्रभारी के बदसलूकी का आरोप

पुलिस अधीक्षक से की शिकायत

महिला प्रधान आरक्षक ने पुलिस की छवि धूमिल ना हो और खुद लोक लाज के डर से अब तक खामोश थी. लेकिन, अब फूलमती राजवाड़े ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर खुद को आर्थिक व मानसिक रूप से गलत नीयत रखने और प्रताड़ित करने के मामले में कार्रवाई व न्याय की मांग कर रही है.

पुलिस ने की प्रारंभिक जांच टीम गठित

हालांकि, पुलिस विभाग व महिला हेड कांस्टेबल से जुड़ा मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने एसडीओपी महालक्ष्मी कुलदीप व पांच अन्य पुलिसकर्मियों के नेतृत्व में जांच टीम गठित कर दिया है, जो इस मामले की जांच कर रिपोर्ट सौंपेगी।

ओवरलोडिंग और नशा बन रहा दुर्घटनाओं का कारण...धान से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा...चालक-परिचालक सुरक्षित

- संवाददाता -
बलरामपुर,05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के गणेशमोड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत जारहीडीह नाला के पास एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। बुधवार सुबह 10:30 बजे के करीब धान से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि चालक और परिचालक दोनों सुरक्षित हैं,उन्हें मामूली चोटें आई हैं।

जानकारी के मुताबिक ट्रक चांदो से रामानुजगंज की ओर जा रहा था, तभी जारहीडीह नाला के पास अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। बताया जा रहा है कि मोड़ते समय ट्रक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही गणेशमोड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवागमन को सुचारू करने के लिए ट्रक को साइड कराया। सड़क पर ट्रक पलटने से यातायात प्रभावित हुआ था, जिसे पुलिस ने तत्काल नियंत्रित किया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रक पलटने के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

हादसों की बड़ी वजह ओवरलोडिंग

धान परिवहन के दौरान कई बार वाहनों में क्षमता से अधिक माल लाद दिया जाता है, जिससे उनका संतुलन बिगड़ जाता है। तेज रफ्तार, खराब सड़कें और अनियंत्रित लोडिंग हादसों की मुख्य वजह बनती हैं। ट्रकों के पलटने से न केवल चालक और परिचालक की जान जोखिम में पड़ती है, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य वाहन भी खतरे में आ जाते हैं।धान खरीदी केंद्रों से ओवरलोड ट्रक धान लेकर निकल रहे हैं और इन्हें रोकने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही।

बिना जीएसटी बिल व पिटपास ओवरलोड वाहन गिट्टी लेकर दौड़ रहे हैं। ओवरलोड वाहन यूपी और झारखंड जैसे सीमावर्ती राज्यों में भेजे जा रहे हैं,इससे सड़कों की हालत जर्जर हो चुकी है।जीएसटी बिल और पिटपास के बिना गिट्टी का परिवहन करने से खनिज विभाग को बड़ा राजस्व नुकसान हो रहा है, फिर भी जिम्मेदार अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। ओवरलोड वाहनों के चलने से सड़कें टूटकर गड्ढों में तब्दील हो गई हैं, और वाहन चालक इसकी जद में आ रहे हैं।

अपने ही घर का ताला तोड़कर बेटे ने डेढ लाख के जेवरातों की चोरी की

- सवाददाता -
अंबिकापुर, 05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

एक महिला ने अपने बेटे पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बेटे ने घर से लगभग डेढ़ लाख रुपए का जेवरात पार कर दिया है। मामले में पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार सुजाता तिवारी पति चंद्रशेखर तिवारी 50 वर्ष गोधनपुर स्थित गैस गोदाम के पास की रहने वाली है। वह पुलिस को बताया है कि 4 मार्च को दोपहर करीब 2 बजे वह इमलीपारा मंडप में गई थी। 3 बजे के करीब बहू चांदनी देवी फोन करके बताई की उनका लड़का चंदन उर्फ विशाल तिवारी घर का ताला और अंदर रखे अलमारी व पेटी को तोड़कर जेवर लेकर भाग गया है। इसकी सूचना वह पुलिस को फोन करके दी थी, जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चंदन उर्फ विशाल तिवारी को जेवर के साथ कब्जे में ले लिया। पुलिस ने आरोपी पुत्र के विरूद्ध बीएनएस की धारा 305(2), 331(3) का मामला दर्ज कर लिया है।

जनपद अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव के बाद आई तस्वीर के क्या हैं मायने...क्या पूर्व विधायक की नई टीम यही थी जनपद अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के चुनाव में भी शामिल?

क्या विधानसभा चुनाव 2028 के लिए कांग्रेस की नई टीम की यही होगी असल तस्वीर?

क्या अब पूर्व विधायक ने अपने हिसाब से तय कर ली...बना ली...जिले में कांग्रेस की नई टीम? अध्यक्ष जिताने और उपाध्यक्ष को निपटाने में भी इसी टीम की रही प्रमुख भूमिकाःसूत्र

--रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर,05 मार्च 2025 (घटती-घटना)। कोरिया जिले में सम्पन्न त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के बाद जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद का भी चुनाव संपन्न हो गया। अध्यक्ष जहां कांग्रेस ने अपना बनाया वहीं बहुमत के बावजूद उपाध्यक्ष पद पर कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। उपाध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस ने खासकर पूर्व विधायक ने यही ठान कर रखा था कि वह भाजपा का बन जाए यह बात सूत्रों के हवाले से सुनने में आ रही है। पूर्व विधायक अपने खेमे से उपाध्यक्ष की तलाश में थीं और जब उन्हें यह पूर्ण आभास हो गया की उनके खेमे से उपाध्यक्ष नहीं बनने वाला तो उन्होंने उपाध्यक्ष पद को भाजपा खेमे में जाने दिया ऐसा सूत्रों का दावा है।

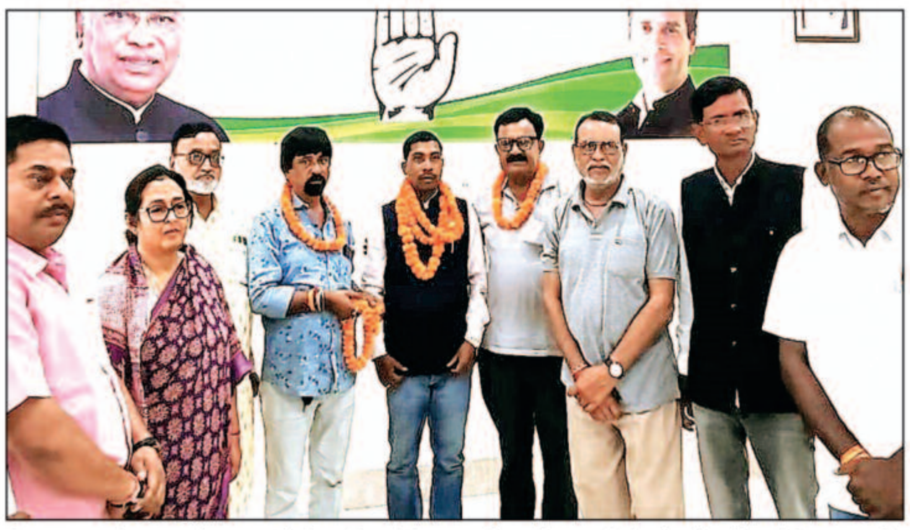

अध्यक्ष पद पर निर्वाचन उपरांत कांग्रेस समर्थित जनपद सदस्य नए अध्यक्ष का राजीव भवन में स्वागत सम्मान जब किया गया तब एक तस्वीर भी सामने आई जिसमें पूर्व विधायक के साथ कांग्रेस के कुछ लोग जिलाध्यक्ष सहित साथ ही भाजपा से निष्कासित विपिन बिहारी जायसवाल नजर आए और माना जा रहा है कि कांग्रेस की यह नई टीम है और जो पूर्व विधायक की टीम है। वैसे जो तस्वीर जनपद अध्यक्ष निर्वाचन पश्चात सामने आई है राजीव भवन की उसमें कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता नदारत हैं और उसमें शामिल लोग पूर्व विधायक के ही खास समर्थक हैं और अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या पूर्व विधायक ने 2028 विधानसभा चुनाव के लिए यह नई टीम बना ली है। वैसे 2028 का विधानसभा चुनाव अभी दूर है उससे पहले नगर पालिकाओं का जिले में चुनाव होना है जिसमे दो नगरपालिकाएं शामिल होंगी और क्या उस चुनाव में कांग्रेस इसी टीम के भरोसे चुनाव लड़ेगी यह भी सवाल है। वैसे तस्वीर देखकर लगता तो यही है कि पूर्व विधायक ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है और वह अब नई टीम के साथ ही नजर आयेंगी। वैसे बताया जा रहा है कि पूर्व विधायक इस बार यह तय कर चुकी थीं कि पूर्व जनपद उपाध्यक्ष को वह पुनः उपाध्यक्ष नहीं बनने देंगी और यह भांपकर ही पूर्व उपाध्यक्ष ने खुद को चुनाव से उपाध्यक्ष के दूर कर लिया था और पूर्व घोषणा कर दी थी। वैसे पूर्व उपाध्यक्ष इस बार टिकने वाली भी नहीं थीं।

कांग्रेस को विधानसभा 2028 में भी करना पड़ सकता है हार का सामना?

कोरिया कांग्रेस या कहें बैकुंठपुर कांग्रेस की यह नई तस्वीर जो जनपद अध्यक्ष चुनाव जीतने के बाद की खुशी वाली तस्वीर है जो राजीव भवन की तस्वीर है यह बतलाती है कि वर्ष 2028 के चुनाव में भी कांग्रेस जितने वाली नहीं है। कांग्रेस की गुटबाजी वरिष्ठ कांग्रेसियों की अनदेखी और उन्हें नजअंदाज करने का तरीका बिल्कुल वही नजर आया जो सत्ता के दौरान था। बड़ी खुशी भी कुछ लोगों ने मिलकर मना ली और बड़े नेताओं का इंतजार भी नहीं किया। ऐसे में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित होगी लगता नहीं है, वैसे तस्वीर की टीम पूर्व विधायक की स्थाई रहने वाली टीम है यह भी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि क्षण क्षण नाराज होने वाली पूर्व विधायक इस टीम को भी स्थाई रख पाएंगी लगता नहीं है।

कांग्रेस से बहुत बड़ा गुट,जो वरिष्ठों सहित कर्मठ कार्यकर्ताओं का होगा,अगले विधानसभा में होगा दूर

हालिया तस्वीर यह बतलाती है कि कांग्रेस से बहुत बड़ा गुट जो वरिष्ठ कांग्रेसियों सहित कर्मठ कार्यकर्ताओं का होगा वह दूर होगा जो अगले विधानसभा में देखने को मिलेगा। कांग्रेस की अंदरूनी प्रतिस्पर्धा कांग्रेस को ले डूबने तैयार है वहीं पूर्व विधायक उस गुटबाजी को प्रतिस्पर्धा को लगातार हवा देने का काम करती जा रही हैं। महत्व अपना घटता देखकर यह निर्णय लेंगे पार्टी के लोग यह माना जा रहा है।

जिला व जनपद चुनाव हारने व हरवाने का कसर निकलेगा विधानसभा में

जिला जनपद और नगरीय निकाय चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों की हार का बदला अब विधानसभा चुनाव में लेंगे लोग पार्टी के यह तय नजर आ रहा है। कुल मिलाकर पार्टी बड़ी मुसीबत में होगी अगले विधानसभा चुनाव में।

सूरजपुर जिला पंचायत में भाजपा का परचम,अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर कब्जा

-संवाददाता-

सूरजपुर,05 मार्च 2025 (घटती-घटना)। यहां जिला पंचायत में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद पर भाजपा ने परचम लहराते हुए दोनों पदों पर कब्जा जमा लिया है। जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर जहाँ भाजपा की निर्वाचित सदस्य श्रीमती चंद्रमणि देवपाल सिंह पैकरा निर्विरोध निर्वाचित हुए है। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए हुए प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में भाजपा समर्थित रेखा राजलाल राजवाड़े ने एक मत से जीत दर्ज करते हुए उपाध्यक्ष की कुर्सी पर अपना कब्जा जमाया है। जिला पंचायत के दोनों पदों पर भाजपा समर्थितो की जीत के बाद पार्टी व समर्थकों में जश्न का माहौल रहा। 15 सदस्यों वाले सूरजपुर जिला पंचायत के लिए हुए चुनाव में भाजपा, कांग्रेस व निर्दलीयों ने 5-5 सीटो पर जीत दर्ज किया था। जिला पंचायत अध्यक्ष पद महिला के आरक्षित है ऐसे में जहाँ भाजपा के पास अध्यक्ष पद के लिए तीन दावेदार सामने थे वहीं कांग्रेस के पास अध्यक्ष पद के लिए कोई भी महिला दावेदार नहीं थी। ऐसे में कांग्रेस निर्दलीयों के भरोसे उपाध्यक्ष पद तक पहुंचने के लिए जद्दोजहद कर रही थी। इधर जिला मुख्यालय में नगरीय निकाय के लिए हुए सीधे मुकाबले में नगर पालिका में अध्यक्ष पद खोने के बाद भाजपा के सामने जिला पंचायत पर कब्जा जमाना किसी चुनौती से कम नही था। जिसके लिए भाजपा ने एड़ी चोटी का जोर लगाया था और इसका सार्थक परिणाम भी अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर जीत दर्ज करने के साथ सामने आया है। जिला पंचायत के निर्वाचित सदस्यों द्वारा सूरजपुर जिला पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का अप्रत्यक्ष रूप में निर्वाचन किया गया। छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम के तहत हुए इस निर्वाचन में जिला पंचायत क्षेत्र क्र 12 प्रतापपुर तृतीय से निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य श्रीमती चंद्रमणि देवपाल सिंह पैकरा निर्विरोध जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुई है। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस के अखिलेश प्रताप सिंह व भाजपा की श्रीमती रेखा रजवाड़े के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें 1 मत से रेखा राजवाड़े ने जीत हासिल कर उपाध्यक्ष पद पर अपना कब्जा जमाया है। श्रीमती रेखा राजलाल राजवाड़े क्र 14 रामानुजनगर द्वितीय से निर्वाचित हुई है। जिला पंचायत के दोनों पदों पर जीत हासिल करने के बाद भाजपा में जश्न का माहौल है।

सूरजपुर पुलिस ने राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने खिलाड़ियों को दी बधाई

-संवाददाता-

सूरजपुर,05 मार्च 2025 (घटती-घटना)। विगत दिनों रायपुर में छत्तीसगढ़ पुलिस राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया गया जिसमें सूरजपुर पुलिस के अधिकारी व जवानों ने टेबल टेनिस, हॉकी, खो-खो, फुटबाल व दौड़ प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया और शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज किया, पुलिस के इन खिलाड़ियों को डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने जीत की बधाई दी तथा पूरी टीम को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया है।

बुधवार, 05 मार्च 2025 को राज्य स्तरीय खेलकूद में शामील प्रतिभागियों की टीम जिला पुलिस कार्यालय पहुंची जहां डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने इन्हें जीत की बधाई देते हुए कहा कि जीवन में खेल का विशेष महत्व है, खेलकूद हमें अनुशासित और एकजुट रहना सिखाता है, व्यस्त दिनचर्या में खेलकूद मानसिक स्ट्रेस के दूर करता है तथा शारीरिक स्वास्थ्य को लाभ देता है। खिलाड़ियों को सेवा के साथ-साथ खेल के प्रति निरंतरता बनाए रखने और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता की तैयारी करने कहा।

छत्तीसगढ़ पुलिस राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में टेबल टेनिस डबल्स में टीआई नीलाम्बर मिश्रा व एएसआई आलोक सोनी उप विजेता रहे तो वहीं हॉकी में आरक्षक जगदीश प्रसाद, संदीप लकड़ा उपविजेता, खो-खो व फुटबाल में आरक्षक अमित कुजूर उपविजेता, महिला 800 मीटर व 200 मीटर दौड़ में महिला आरक्षक पार्वती सिंह प्रथम व तृतीय स्थान हासिल की है। निरीक्षक नीलाम्बर मिश्रा व एएसआई आलोक सोनी का टेबल टेनिस में राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता में चयन हुआ है। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी व अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

अनियंत्रित ट्रक ने स्कूटी सवार नाबालिक युवक को लिया चपेट मे

-संवाददाता-

कोरबा,05 मार्च 2025 (घटती-घटना)। कोरबा सक्ती मार्ग भैसमा बाजार चौक के समीप तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर स्कूटी को ठोकर मारते हुए दिवाल में टकरा गया, जिसमें स्कूटी सवार नाबालिक युवक मृत्यु हो गई। घटना बीती रात 9 बजे की बताई जा रही है,जानकारी के मुताबिक बेंदरकोना निवासी परमेश्वर कंवर उम्र 16 वर्ष कल अपने परिजनों के साथ भैसमा के एक कपड़ा दुकान में कपड़ा लेने आया हुआ था, परिजन जब कपड़ा ले रहे थे तब मृत नाबालिक युवक बाहर स्कूटी में बैठ मोबाइल देख रहा था के तभी अचानक एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने रास्ते से उतर कर परमेश्वर को ठोकर मारते हुए एक दिवाल में जा टकराया जिससे युवक बुरी तरह घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने आनन फानन में 112 की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया पर रास्ते में ही परमेश्वर ने दम तोड़ दिया था। वहाँ मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि ट्रक चालक काफी नशे में था जिसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया है।

डॉ पवन कुमार सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष के पद पर हुए निर्विरोध विजयी घोषित

-संवाददाता-

कोरबा,05 मार्च 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के तहत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में डॉ पवन कुमार सिंह निर्विरोध जिला पंचायत अध्यक्ष चुने गए। उनके प्रस्तावक विनोद कुमार यादव और समर्थक श्रीमती निकिता जैसवाल रही। डॉ पवन के विरोध में निश्चित समय अवधि तक किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन दर्ज नहीं किया। पंचायत चुनाव के पीठासीन अधिकारी मनोज कुमार बंजारे ने डॉ पवन को जिला पंचायत अध्यक्ष के पद पर सम्यक रूप से निर्विरोध विजयी घोषित किया तथा सम्यक निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदाय किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग,अनुविभागीय अधिकारी कोरबा सरोज महिलांगे, उपसंचालक पंचायत सुश्री जूली तिर्की उपस्थित रही।

इंडियन रेडक्रास सोसायटी सूरजपुर जिला शाखा के पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित

-संवाददाता-

सूरजपुर,05 मार्च 2025 (घटती-घटना)। इंडियन रेडक्रास सोसायटी के आज यहां हुए चुनाव में चेयरमैन वाइस चेयरमैन कोषाध्यक्ष राज्य प्रतिनिधि चारों पद निर्विरोध निर्वाचित हुए।जिसमें भाजपा के वरिष्ट नेता बाबूलाल अग्रवाल चेयरमैन वाइस चेयरमैन ओंकार पांडेय कोषाध्यक्ष श्रवण जैन राज्य प्रतिनिधि के रूप में सेवानिवृत आई ए एस अशोक अग्रवाल निर्विरोध चुने गए।बुधवार को जिला अस्पताल के सभाकक्ष में रेडक्रास सोसायटी के निर्वाचन की प्रक्रिया एसडीएम शिवानी जायसवाल द्वारा पूरी कराई गई।चेयरमैन के लिये बाबूलाल अग्रवाल वाइस चेयरमैन के लिए ओंकार पांडेय कोषाध्यक्ष के लिए श्रवण जैन राज्य प्रतिनिधि के लिए अशोक अग्रवाल ने नामंकन दाखिल किया जिससे वे निर्विरोध निर्वाचित किये गए। निर्वाचन के बाद जहां पूर्व चेयरमैन रामकृष्ण ओझा का शाल श्रीफल देकर उनका स्वागत कर विदाई दी गई तो वहीं नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो को विधिवत शपथ दिला कर उनका पदभार ग्रहण कराया गया।इस मौके पर कलेक्टर एस जयवर्धन,एसडीएम शिवनी जायसवाल, सहित पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा,भीमसेन अग्रवाल,जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी,ठाकुर राजवाडे आदि मंचासिन थे।कार्यक्रम का संचालन सीएमएचओ कपिल पैकरा ने किया।बैठक में रेडक्रास सोसायटी के सभी 30 सदस्य की मौजूदगी में यह चुनाव कराया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्कार अग्रवाल में अहम भूमिका रही।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सूरजपुर जिला शाखा के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, कोषाध्यक्ष एवं राज्य प्रबंध समिति सदस्य (जिला प्रतिनिधि) सभी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल के प्रस्तावक राहुल अग्रवाल (टिंकू) एवं समर्थन संदीप अग्रवाल (छोटू) रहे। वाइस चेयरमैन ओकार पांडेय के प्रस्तावक बाबूलाल अग्रवाल एवं समर्थन लोकेश पैकरा रहे। कोषाध्यक्ष श्रवण जैन के प्रस्तावक नीरज अग्रवाल एवं समर्थन प्रवेश गोयल रहे। राज्य प्रबंध समिति सदस्य (जिला प्रतिनिधि) सेवानिवृत आईएस अशोक अग्रवाल के प्रस्तावक विजय राज अग्रवाल एवं समर्थन मुकेश गर्ग रहे।

निर्वाचित जिला सदस्य हेतु प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, ठाकुर प्रसाद राजवाड़े, विजय राज अग्रवाल, उपेंद्र दुबे, बलराम शर्मा, प्रवेश गोयल, मुकेश गर्ग, संदीप अग्रवाल (छोटू), अजय अग्रवाल(अज्जू), राजीव कुमार सिंह, लोकेश पैकरा, राहुल अग्रवाल (टिंकू), पवन कुमार गर्ग, विकास अग्रवाल, ललित कुमार गोयल, संत सिंह, शैलेश कुमार अग्रवाल, मनोज कुमार अग्रवाल, मनोज सोनी, अंशुल गोयल, चंदन कुमार सिंह, आदर्श कुमार तिवारी, नौशाद अहमद, नितेश गुप्ता, नीरज अग्रवाल, गौरव अग्रवाल इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा सूरजपुर के प्रबंध समिति में निर्विरोध निर्वाचित जिला सदस्य घोषित किए गए।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 1022/ब-121/2023-24
दिनांक - 03/03/2025

आवेदक/आवेदिका का नाम शिवमन पिता/पति स्व0 दया राम जाति बिझियां निवासी अर्जुननगर ग्राम अर्जुननगर प0ह0नं0 थाना जयनगर तहसील व सूरजपुर जिला-सूरजपुर छ0ग0 ने अपने पिता0स्व0 दया राम पिता/पति धाकड़ जन्म/मुत्यु दिनांकः- 16/12/2012 का जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

इस संबंध में जिस किस व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 17/03/2025 दिन सोमवार को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति /दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/03/2025 को जारी किया जाता है।

(सील)

नायब तहसीलदार
उप तहसील मानी
जिला-सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) सक्षम प्राधिकारी सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. / अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-नेवरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री इंदर राजवाड़े आ0 ललन राम राजवाड़े, जाति रजवार, निवासी ग्राम झांसी, तहसील सूरजपुर,जिला सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम नेवरा, पहन 02 रा नि म बसदेई तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रं 949/14, 949/16 रकबा क्रमशः 0.01, 0.02 हे0 कृषि भूमि को व्यवसायिक (दुकान) प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 20/03/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 05/03/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील)

विशेष-कर्त्तव्याधिकारी
(रा0) भूमि व्यपवर्तन,
सूरजपुर,छ0ग0

जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में कोरिया भाजपा ने रचा इतिहास

जिला पंचायत में बनी भाजपा की सरकार

» भाजपा के मोहित पैकरा बने विभाजित कोरिया जिले के प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष...भाजपा की ही सौभाग्यवती सिंह को हराया

» विभाजित कोरिया के पहले अध्यक्ष होंगे मोहित पैकरा...कांग्रेस छोड़ना फायदेमंद रहा मोहित के लिए...

» जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 से हैं मोहित पैकरा सदस्य...सौभाग्यवती सिंह क्षेत्र क्रमांक 2 से हुई हैं जब सदस्य निर्वाचित

-रवि सिंह-
कोरिया,05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

विभाजित कोरिया जिले के प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष अब मोहित पैकरा होंगे। कोरिया जिले के प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित होने का गौरव पहले यवत सिंह को प्राप्त था वहीं विभाजित कोरिया जिले में यह गौरव अब मोहित पैकरा को प्राप्त होगा वहीं इस निर्वाचन की खास बात यह रही कि यहां भाजपा से ही दो उम्मीदवार जो जिला पंचायत सदस्य हैं ने उम्मीदवारी की और अंत में 2 मतों से मोहित पैकरा ने भाजपा की ही क्षेत्र क्रमांक 2 की सदस्य जिला पंचायत सौभाग्यवती सिंह को हरा दिया। बता दें कि सौभाग्यवती सिंह विधायक की खास पसंद मानी जा रही थीं वहीं मोहित पैकरा कहीं न कहीं जिलाध्यक्ष भाजपा की पसंद थे और उन्होंने निवर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी को चुनाव में मात दी थी। वैसे माना भी जा रहा था कि मोहित पैकरा जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रबल दावेदार हैं और उनके लिए प्रचार करने खुद सरगुजा सांसद क्षेत्र क्रमांक 6 में पहुंचे थे। जिला पंचायत उपाध्यक्ष पद पर बैकुंठपुर विधायक की बहु वंदना राजवाड़े निर्विरोध निर्वाचित हुईं। वैसे इस बार संपन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के परिणाम आने उपरांत ही यह तय हो गया था कि जिला पंचायत में पूरी तरह भाजपा का कब्जा दर्ज होगा और हुआ भी वही जहां भाजपा ने अध्यक्ष उपाध्यक्ष दोनों पदों पर बाजी मार ली। कांग्रेस की स्थिति एक सदस्य के साथ वैसे भी जितने लायक नहीं थी वहीं गोंडवाना समर्थित दो प्रत्याशी भी गोंडवाना का अध्यक्ष उपाध्यक्ष बना पाने में सक्षम नहीं थे। 10 जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र वाले कोरिया जिले में 5 क्षेत्र से भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी वहीं 2 पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी समर्थित प्रत्याशी जीतकर आए थे वहीं 2 पर गैर दलीय समर्थन के प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी और 1 पर कांग्रेस के प्रत्याशी ने जीत दर्ज की थी। विभाजित कोरिया जिले में पहली बार सम्पन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कांग्रेस जिला पंचायत में अध्यक्ष उपाध्यक्ष नहीं बना पाएगी यह पहले से ही तय था। वैसे विधायक बैकुंठपुर ने भी बहु को उपाध्यक्ष बनाकर उन्हें अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित कर दिया यह भी इस चुनाव की खासियत रही।

पहली बार में ही मोहित पैकरा के नाम पर ही अंतिम मुहर भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने लगा दिया

वैसे माना जा रहा था कि भाजपा सौभाग्यवती सिंह पर ही दांव लगाएगी और हाल ही में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए मोहित पैकरा को पहली बार में ही अध्यक्ष भाजपा नहीं बनाएगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं और मोहित पैकरा के नाम पर ही अंतिम मुहर भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने लगाया वहीं प्रदेश नेतृत्व की बात को नजरअंदाज कर सौभाग्यवती सिंह ने अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी कर दी और अंत में उन्हें हार का सामना करना पड़ा जबकि सूत्रों की माने तो सौभाग्यवती सिंह को प्रदेश संगठन से किसी वरिष्ठ पदाधिकारी का भी फोन आया था जिनकी बात भी उन्होंने नहीं मानी। जनपद अध्यक्ष रह चुकी सौभाग्वती सिंह के लिए यह बड़ी हार साबित हुई क्योंकि उन्होंने एक तरफ प्रदेश संगठन के निर्देश की अवहेलना करते हुए पार्टी प्रत्याशी के ही विरुद्ध दावेदारी दर्ज की वहीं उसके बावजूद वह चुनाव हार गई।

भाजपा समर्थित प्रत्याशी ने ही भाजपा समर्थित जीतकर आई जिला पंचायत सदस्य को अध्यक्ष पद पर हराया

कोरिया जिला पंचायत के अध्यक्ष पद के संपन्न चुनाव में खास बात यह रही कि भाजपा के ही समर्थित प्रत्याशी ने भाजपा की ही जिला पंचायत सदस्य को अध्यक्ष पद के लिए हराया और 2 मतों से जीत दर्ज की। भाजपा समर्थित मोहित पैकरा 2 मतों से विजय प्राप्त कर ले गए। भाजपा के लिए सुखद यह रहा कि अध्यक्ष पार्टी समर्थन से चुनाव जीतकर आया सदस्य बन सका। मोहित पैकरा क्षेत्र क्रमांक 6 से सदस्य निर्वाचित हुए हैं और उन्हें भाजपा ने ही समर्थन देकर चुनाव लड़वाया था।

विभाजित कोरिया जिले के पहले अध्यक्ष होंगे मोहित पैकरा,कांग्रेस छोड़ना फायदेमंद रहा मोहित पैकरा के लिए

मोहित पैकरा विभाजित कोरिया जिले के पहले जिला पंचायत अध्यक्ष होंगे। मोहित पैकरा की जीत के बाद समर्थकों में काफी उत्साह देखने को मिला। कोरिया जिले के गठन उपरांत संपन्न हुए पहले चुनाव में यवत सिंह प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे वहीं अब विभाजन उपरांत मोहित पैकरा को यह गौरव प्राप्त हुआ है। मोहित पैकरा के लिए कांग्रेस छोड़ना फायदेमंद रहा वह हाल ही में भाजपा में शामिल हुए थे और उन्हें पहले जिला पंचायत सदस्य के लिए भाजपा का समर्थन मिला फिर उन्हें अध्यक्ष भी पार्टी ने बनाया। कांग्रेस में रहकर उनका ऐसा उत्थान राजनीतिक सम्भव नहीं था यह उनके ही कुछ समर्थकों का मानना है वहीं उनका यह भी कहना है समर्थकों का की भाजपा में ही फर्श से अर्श संभव है कांग्रेस में नहीं।

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में भाजपा ने रचा इतिहास,नेतृत्व क्षमता की हो रही जमकर सराहना

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में भाजपा ने नगरीय निकाय चुनाव से लेकर जिला पंचायत के चुनाव तक जमकर सफलता हासिल की। भाजपा की इस सफलता का श्रेय सभी देवेंद्र तिवारी को देते नजर आए और सभी का यही मानना था कि देवेंद्र तिवारी का नेतृत्व ही था जो भाजपा हर जगह सफलता प्राप्त कर सकी नगरीय निकाय से लेकर जिला पंचायत तक के चुनाव में। देवेंद्र तिवारी की मेहनत और उनकी बेहतर रणनीति को लेकर भाजपा खेमा और प्रदेश भाजपा संगठन भी संतुष्ट नजर आया।देवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में भाजपा ने नया इतिहास रचा है यह सभी का कहना है।

कांग्रेस अध्यक्ष उपाध्यक्ष के लिए दावेदारी की भी हिम्मत नहीं जुटा पाई अंत तक

जिलाध्यक्ष भाजपा कोरिया के नेतृत्व की खासियत कही जाए या उनके कुशल रणनीति की सफलता,कांग्रेस जिला पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष पद के चुनाव में अंत तक अपना प्रत्याशी उतार पाने की भी हिम्मत नहीं जुटा पाई। अध्यक्ष पद के लिए जहां भाजपा से ही दो प्रत्याशियों ने दावेदारी दर्ज की वहीं उपाध्यक्ष पद पर चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ।कुल मिलाकर कांग्रेस की यह पहली बार बड़ी हार है जो कांग्रेस की आपसी गुटबाजी का भी परिणाम है।

उपाध्यक्ष पद पर दो लोगों ने किया था नामांकन, जिलाध्यक्ष भाजपा देवेंद्र तिवारी की सूझबूझ से निर्विरोध हुआ निर्वाचन

जिला पंचायत उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने दो जिला पंचायत सदस्यों ने नामांकन दर्ज किया था वहीं जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी की सूझबूझ से कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत सदस्य साथ ही उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी सुरेश सिंह ने अंतिम समय में अपना नाम उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन से अलग कर लिया जिससे वन्दना राजवाड़े निर्विरोध निर्वाचित हो गईं। कुल मिलाकर जिलाध्यक्ष भाजपा देवेंद्र तिवारी की सुझबुझ से भाजपा बड़ी जीत दर्ज कर ले गई।

कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत सदस्य सुरेश सिंह जिलाध्यक्ष भाजपा की अगुवाई में भाजपा में कर सकते हैं प्रवेश:सूत्र

सूत्रों की माने तो भाजपा में कांग्रेस समर्थित जिला पंचायत सदस्य सोनहत सुरेश सिंह की एंट्री हो सकती है। जिलाध्यक्ष भाजपा देवेंद्र तिवारी की अगुवाई में कभी भी इसकी घोषणा हो सकती है।कांग्रेस के लिए यह भी बुरी खबर है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वेदांती तिवारी को हराने वाले मोहित पैकरा अध्यक्ष पद तक पहुंचे

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वेदांती तिवारी को हरवाने वाले मोहित पैकरा अध्यक्ष पद तक पहुंच सके। पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी को हराना ही उनके लिए फायदेमंद साबित हुआ। बड़े नेता को कांग्रेस के हराकर आने के कारण मोहित पैकरा को भाजपा ने यह इनाम दिया ऐसा माना जा सकता है।

सत्ता पक्ष के लिए खुशखबरी अध्यक्ष उपाध्यक्ष दोनों सत्तापक्ष के

भाजपा या सत्तापक्ष के लिए यह खुशखबरी से कम नहीं रहा दोनों पदों पर भाजपा के ही सदस्य निर्वाचित हुए।ऐसा कम ही होता है जो इस चुनाव में होता नजर आया।

क्या बीजेपी सौभाग्यवती सिंह पर करेगी कार्यवाही?

भाजपा के प्रदेश संगठन के निर्देश की अवहेलना करने पर क्या भाजपा सौभाग्यवती सिंह पर कार्यवाही करेगी। सूत्रों का कहना है कि नामांकन के पूर्व सौभाग्यवती सिंह को भाजपा के प्रदेश स्तर के संगठन के बड़े नेता ने फोन कर नामांकन वापस लेने कहा था लेकिन उन्होंने अपना नामांकन वापस नहीं लिया और अब क्या भाजपा ऐसे में सौभाग्यवती सिंह पर कार्यवाही करेगी यह देखने वाली बात होगी।

मोहित पैकरा के नाम पर प्रदेश संगठन ने दी थी सहमति,सौभाग्वती सिंह ने प्रदेश संगठन के निर्देश की अवहेलना करते हुए नामांकन किया था दाखिल

जिला पंचायत कोरिया में अध्यक्ष उपाध्यक्ष भाजपा से ही बनेगा यह पहले से तय था क्योंकि भाजपा के पास पूर्ण बहुमत था वहीं भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने मोहित पैकरा के नाम पर सहमति जताई थी बावजूद इसके सौभाग्यवती सिंह ने प्रदेश संगठन के निर्देश की अवहेलना करते हुए दावेदारी दर्ज की और चुनाव हार गईं। सूत्रों की माने तो सौभाग्वती सिंह को प्रदेश के संगठन से जुड़े नेता का भी फोन आया था लेकिन उन्होंने उनके निर्देश का भी पालन नहीं किया और अपना नामांकन दाखिल किया।

भाजपा की आपसी लड़ाई का फायदा नहीं उठा पाई कांग्रेस...वहीं जनपद में भाजपा ने कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई का फायदा उठाया

कांग्रेस जिला पंचायत में भाजपा की अंदरूनी लड़ाई का फायदा नहीं उठा सकी वहीं भाजपा ने जनपद में कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई का फायदा उठाकर उपाध्यक्ष पद पर कब्जा जमा लिया। कुल मिलाकर कांग्रेस मूख दर्शक बनी रही कोई अपना प्रयास उसने नहीं किया।

वर्तमान विधायक को खुश करने के लिए क्या संगठन ने निर्विरोध बनाया उपाध्यक्ष

विधायक की बहु निर्विरोध उपाध्यक्ष निर्वाचित हुईं वहीं निर्विरोध निर्वाचन उपरांत यह सवाल उठ रहा है कि क्या विधायक को खुश करने ऐसा किया गया।

जिला पंचायत कोरिया में मोहित पैकरा अध्यक्ष,वंदना राजवाड़े उपाध्यक्ष निर्वाचित

पीठासीन अधिकारी अरुण कुमार मरकाम ने निर्वाचन के बाद दिया प्रमाण-पत्र

-संवाददाता-
कोरिया,05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में आज जिला पंचायत में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण हुई। इसमें जिला पंचायत कोरिया में मोहित पैकरा को अध्यक्ष और श्रीमती वंदना राजवाड़े को उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन की कार्यवाही पूरी हो जाने के बाद पीठासीन अधिकारी अपर कलेक्टर श्री अरुण कुमार मरकाम ने उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इस दौरान विधायक श्री भईया लाल राजवाड़े और अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। विदित हो कि कोरिया में जिला पंचायत क्षेत्र के पुनर्गठन के बाद कुल दस सदस्य क्षेत्र बनाए गए हैं। इनमें जीतकर आए जिला पंचायत सदस्यों ने आज जिला पंचायत

कोरिया में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचन की प्रक्रिया में भाग लिया। निर्धारित समय अनुसार पहले पीठासीन अधिकारी श्री अरुण कुमार मरकाम के समक्ष अध्यक्ष पद के लिए श्रीमती सौभाग्यवती सिंह कुसरो और श्री मोहित राम पैकरा ने नाम निर्देशन पत्र जमा किया। सविरोध निर्वाचन की स्थिति में मतदान की प्रक्रिया शुरू की गई। डाले गए मतों की गणना में श्री मोहित राम पैकरा को 6 और श्रीमती सौभाग्यवती सिंह कुसरो को कुल 4 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार श्री मोहित राम पैकरा को पीठासीन अधिकारी ने निर्वाचित घोषित किया।

उपाध्यक्ष पद पर केवल श्रीमती वंदना राजवाड़े ने नाम निर्देशन पत्र जमा किया और वह उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुईं। इसके बाद पीठासीन अधिकारी अपर कलेक्टर श्री मरकाम ने निर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को प्रमाण पत्र प्रदान किया। निर्वाचन की प्रक्रिया में सहायक पीठासीन अधिकारी श्रीमती ऋतु साहू और अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

चंद्रमणि देवपाल पैकरा सूरजपुर जिला पंचायत अध्यक्ष और रेखा रजवाड़े उपाध्यक्ष निर्वाचित

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

आज त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 अंतर्गत निर्वाचित सदस्यों द्वारा सूरजपुर जिला पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का अप्रत्यक्ष रूप में निर्वाचन किया गया। छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम के तहत हुए इस निर्वाचन में जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 12 प्रतापपुर तृतीय से निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य श्रीमती चंद्रमणि देवपाल सिंह पैकरा को निर्विरोध सूरजपुर जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। इसके अलावा श्रीमती रेखा रजवाड़े क्षेत्र क्रमांक 14 रामानुजनगर द्वितीय से रेखा राजलाल रजवाड़े उपाध्यक्ष निर्वाचित हुईं।

साऊथ अफ्रीका के हारते ही आईसीसी चैम्पियन ट्राफी के फाईनल मैच के लिए टीम का हुआ चयन

भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

दूसरे सेमीफाइनल में न्यूज़ीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 50 रनों से हरा दिया

दुबई,05 मार्च 2025। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की दूसरी फाइनलिस्ट टीम भी मिल गई है। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 50 रनों से हरा दिया और इसके साथ ही फाइनल में एंट्री कर ली। भारतीय टीम पहले ही फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। ऑस्ट्रेलिया के बाद अब साउथ अफ्रीका का भी सफर इस टूर्नामेंट में समाप्त हो गया है। अब भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा, जो भी टीम इस मैच को जीतेगी, वो चैंपियंस ट्रॉफी की नई विजेता कही जाएगी।

चैंपियंस ट्रॉफी में 6 टीमों का सफर समाप्त

आठ टीमों के बीच इस साल की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेली जा रही है। इसमें चार टीमें पहले ही राउंड से बाहर हो गई थीं। सेमीफाइनल में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमें पहुंची थीं। भारत का मुकाबला पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हुआ, जहां टीम इंडिया ने चार विकेट से जीत दर्ज फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। इसके बाद दूसरे सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को हराकर उसके सफर को भी समाप्त कर दिया। अब भारत और न्यूजीलैंड की टीमें आमने सामने होंगी।

9 मार्च को दुबई में खेला जाएगा चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मैच

चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल 9 मार्च को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम पर खेला जाएगा। आईसीसी ने पहले ही तय कर दिया था कि अगर भारतीय टीम फाइनल में जाएगी तो खिताबी मुकाबला दुबई में होगा और अगर टीम इंडिया फाइनल में जाने से नाकाम हो जाती है तो फिर ये लाहौर में होगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल का वेन्यू भी तय कर ही दिया था। अब फाइनल मुकाबला रविवार को दोपहर ढाई बजे से शुरू होगा। इससे आधे घंटे पहले यानी दो बजे टॉस के लिए भारत और न्यूजीलैंड के कप्तान मैदान में आएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने लिया सन्यास

नईदिल्ली,05 मार्च 2025। चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भारत से शिकस्त मिलने के बाद ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बैट्समैन स्टीव स्मिथ ने सन्यास ले लिया है। सेमिफाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान संभालने वाले स्मिथ अब वनडे मैच नहीं खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट ने बुधवार को इसकी घोषणा की।

वरुण चक्रवर्ती की आईसीसी रैंकिंग में हुई धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली,05 मार्च 2025। आईसीसी की तरफ से 5 मार्च को लेटेस्ट वनडे रैंकिंग जारी की गई जिसमें भारतीय प्लेयर्स का दबदबा साफतौर पर देखने को मिला। गेंदबाजी रैंकिंग में जहां सभी की नजरें मोहम्मद शमी की रैंकिंग पर थी तो वहीं वरुण चक्रवर्ती सबसे बड़ा कमाल दिखाने में कामयाब रहे। चक्रवर्ती को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक सिर्फ 2 मुकाबले खेलने का मौका मिला जिसमें उन्होंने कुल 7 विकेट हासिल किए हैं। इसमें से न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप स्टेज के मैच में जहां उन्होंने 5 विकेट अपने नाम किए तो वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में 2 विकेट लेने में कामयाब रहे। चक्रवर्ती के अलावा शमी भी आईसीसी की अपडेटेड बॉलर्स रैंकिंग में सुधार करते हुए दिखाई दिए हैं।

वरुण चक्रवर्ती ने लगाई सीधे 143 स्थानों की छलांग

टीम इंडिया के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को कप्तान रोहित शर्मा ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के शुरुआती 2 ग्रुप मैचों में नहीं खिलाया था लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में चक्रवर्ती को मौका मिला और उन्होंने इसे पूरी तरह से भुनाते हुए 5 विकेट हासिल कर लिए।

सेमीफाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चक्रवर्ती ने ट्रेविस हेड का बड़ा विकेट अपने नाम किया। वरुण चक्रवर्ती ने लेटेस्ट आईसीसी अपडेटेड वनडे रैंकिंग में कुल 143 स्थानों की लंबी छलांग लगाई है, जिसमें अब वह टॉप-100 में अपनी एंट्री कर चुके हैं। वरुण चक्रवर्ती रैंकिंग में 96 वें नंबर पर हैं, जिसमें उनके कुल 371 रेटिंग प्वाइंट हैं। वहीं वरुण के अलावा मोहम्मद शमी ने भी आईसीसी की अपडेटेड बॉलर्स रैंकिंग में तीन स्थानों की छलांग लगाई है, जिसमें वह अब 609 रेटिंग प्वाइंट के साथ 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

कुलदीप यादव को तीन स्थानों का हुआ नुकसान,

अक्षर पटेल ने 7 स्थानों की लगाई छलांग

भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव अब तक आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी गेंदबाजी के दम पर उतना प्रभाव दिखाने में कामयाब नहीं हो सके जिसकी उनसे उम्मीद की जा रही थी। कुलदीप को लेटेस्ट बॉलर्स रैंकिंग में तीन स्थानों का नुकसान भी हुआ है, जिसमें अब वह 637 रेटिंग प्वाइंट के साथ छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं अक्षर पटेल ने जरूर 7 स्थानों की छलांग लगाई है और वह 499 रेटिंग प्वाइंट के साथ 40वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

भारतीय टेबल टेनिस दिग्गज खिलाड़ी शरत कमल ने किया रिटायरमेंट का ऐलान

डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली,05 मार्च 2025। भारत के सबसे अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी और कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीत चुके शरत कमल ने 5 मार्च को रिटायरमेंट लेने का ऐलान कर दिया। शरत कमल ने अपने संन्यास लेने के फैसले के साथ ये साफ कर दिया कि वह चेन्नई में होने वाले 26 से 30 मार्च तक विश्व टेबल टेनिस यानी डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट में एक प्रोफेशनल खिलाड़ी के तौर पर आखिरी बार खेलते हुए नजर आएंगे।चेन्नई से शुरुआत तो चेन्नई में ही करियर का खेलेंगे आखिरी मैचशरत कमल ने टेबल टेनिस में अपना पहला इंटरनेशनल मैच चेन्नई में ही खेला था, जिसके बाद अब वह अपने करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला चेन्नई में ही खेलेंगे। शरत ने अपने रिटायरमेंट का ऐलान करने के साथ दिए बयान में कहा कि मैंने अपना पहला अंतरराष्टीय टूर्नामेंट चेन्नई में खेला था और आखिरी भी चेन्नई में ही खेलूंगा। यह प्रोफेशनल खिलाड़ी के तौर पर मेरा आखिरी टूर्नामेंट होगा। मैंने कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियाई खेलों में पदक जीते हैं। ओलंपिक पदक मैं नहीं जीत सका। उम्मीद है कि मैं आने वाली युवा प्रतिभाओं के जरिये अपना सपना पूरा कर सकूंगा।

चैंपियंस ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद भी इस प्लेयर की हुई चांदी, सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में मिला प्रोमोशन

ढाका,05 मार्च 2025। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बांग्लादेश टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पूरे टूर्नामेंट में टीम एक भी में एक भी मैच नहीं जीत पाई। इस खराब प्रदर्शन के बाद भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद को रिवॉर्ड दिया है। दरअसल, अब तस्कीन अहमद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के कैटेगरी-ए का हिस्सा बन गए हैं। इसी बीच बांग्लादेश बोर्ड ने अपने क्रिकेटरों के लिए नया कॉन्ट्रेक्ट जारी कर दिया है। इस नए कॉन्ट्रेक्ट में तस्कीन अहमद को प्रमोशन मिला है। इससे पहले पिछले दिनों 3 मार्च को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड डायरेक्टर्स की मीटिंग हुई थी। उस मीटिंग में तस्कीन अहमद को ए+ कैटेगरी में शामिल करने पर प्रस्ताव रखा गया था। बोर्ड ने अंत में उस प्रस्ताव को स्वीकार किया और तस्कीन को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के ए+ कैटेगरी लिस्ट में शामिल किया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कैटेगरी-ए में टेस्ट और वनडे कप्तान नजमुल हुसैन शांतो, मेहदी हसन मिराज, लिटन कुमार दास और अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम को भी शामिल किया गया है। वहीं, मोमिनुल हक, तैजुल इस्लाम, महमूदुल्लाह, तौहीद हृदोय, हसन महमूद और नाहिद राणा कैटेगरी-बी का हिस्सा हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के कैटेगरी-ष्ट में शादमान इस्लाम, सौम्या सरकार, जेकर अली अनिक, तंजीद हसन तमीम, शोरफुल इस्लाम, रिशाद हुसैन, तंजीम हसन साकिब और महेदी हसन शामिल हैं।

पाकिस्तान की भयंकर बेइज्जती

» मेजबान देश से उठ जाएगी चैंपियंस ट्रॉफी

» ताकता रह जाएगा पीसीबी

रावलपिंडी,05 मार्च 2025। पाकिस्तान के लिए बेइज्जती होना कोई नई बात नहीं है। कहीं ना कहीं कभी ना कभी उसकी इज्जत तार तार होती ही है। अब क्रिकेट के मैदान पर भी ऐसा ही होगा। बड़ी मुश्किल से तो करीब 29 साल बाद पाकिस्तान को किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली थी, वो भी आधी अधूरी ही दिखाई दी। क्रिकेट की दुनिया का सबसे बड़ा मुकाबला भारत बनाम पाकिस्तान दुबई में खेला गया और इसके बाद सबसे बड़ा मैच भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया भी पाकिस्तान में नहीं हो पाया। अभी और भी बेइज्जत होना बाकी है। चैंपियंस ट्रॉफी भी अब पाकिस्तान से उठाई जाएगी और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड देखने के सिवा कुछ भी नहीं कर पाएगा।

दुबई में खेला जाएगा चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल

दरअसल जब आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल जारी किया था, तभी साफ कर दिया था कि भारत का सेमीफाइनल तो दुबई में होगा ही, साथ ही अगर भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में एंट्री कर ली तो खिताबी भिड़ंत भी दुबई में होगी। अब भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। न्यूजीलैंड बनाम साउथ अफ्रीका मैच का जो भी विजेता होगा, उससे भारत की टक्कर होगी। अभी फिलहाल की बात

करें तो होस्ट यानी मेजबान होने के बाद चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान के लाहौर में है। लेकिन अब ये वहां से उठकर दुबई चली जाएगी। क्योंकि फाइनल वहीं होगा और जो भी टीम जीतेगी, उसे खिताब भी दुबई में ही मिलेगा।

नौ मार्च को होगी चैंपियंस ट्रॉफी की खिताबी भिड़ंत

चैंपियंस ट्रॉफी अभी तक लाहौर में इसलिए थी, क्योंकि अगर भारतीय टीम फाइनल नहीं खेल रही होती तो खिताबी मुकाबला यहीं के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाता। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका में से एक टीम और इसके साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी भी अब दुबई के लिए रवाना होगी। इतने बुरे हालात इससे पहले आईसीसी टूर्नामेंट में कभी देखने को नहीं मिला कि जो देश मेजबान है, वहां ना तो फाइनल हो और ना ही आखिरी मैच में ट्रॉफी वहां पर हो। चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल 9 मार्च यानी रविवार को खेला जाएगा। इस बीच टीम इंडिया एक दिन के रेस्ट के बाद फिर से अपनी तैयारियों में जुटने जा रही है।

टीम इंडिया लगातार तीसरी बार खेलेगी फाइनल

भारतीय टीम लगातार तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची है। साल 2013 में भारत ने फाइनल खेला था, तब इंग्लैंड को हराकर भारत ने इस खिताब पर भी कब्जा किया था। इसके बाद साल 2017 में भी टीम इंडिया फाइनल में पहुंची, हालांकि इस बार पाकिस्तान ने टीम इंडिया को हराकर खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद आईसीसी ने इस टूर्नामेंट को रोक दिया था। अब आठ साल बाद जब फिर से ये टूर्नामेंट शुरू हुआ है तो टीम इंडिया फिर से फाइनल खेलने की तैयारी में है।

बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने सैनिटरी केयर कंपनी की बनीं ब्रांड एंबेसडर

नईदिल्ली,05 मार्च 2025। बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल अब व्यवसाय की दुनिया में भी कदम रख चुकी हैं। उन्होंने मासिक धर्म स्वच्छता ब्रांड नारिक में निवेश किया है और इसकी ब्रांड एंबेसडर भी बनी हैं। नारिक महिलाओं के लिए बेहतर और टिकाऊ सैनिटरी उत्पाद बनाती है, जिससे उन्हें साफ-सफाई और सुविधा मिल सके।भारत में अभी भी कई महिलाओं को अच्छे सैनिटरी पैड नहीं मिल पाते और साइना चाहती हैं कि हर महिला को सही और सुरक्षित उत्पाद मिले।नारिक एक

पर्यावरण के अनुकूल ब्रांड है, जो रियूजेबल यानी दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले सैनिटरी प्रोडक्ट्स बनाती है। इसके पीरियड अंडरवियर फ्रांस में बने हैं और जर्मन लैब से प्रमाणित हैं।

औरंगजेब बन इन एक्टर्स ने बटोरी वाहवाही

अक्षय खन्ना ने जीता दिल, ओम पुरी से आशुतोष राणा की चमकी किस्मत

बॉलीवुड फिल्म छावा इस साल की अब तक की सबसे बड़ी सुपरहिट फिल्म साबित हुई है। फिल्म में विक्की कौशल ने लीड रोल निभाया और शंभाजी महाराज के किरदार में खूब तारीफें बटोरीं। इसके साथ ही फिल्म में विलेन के रूप में नजर आए अक्षय खन्ना की भी जमकर तारीफ हुई। अक्षय खन्ना ने इतिहास के खलनायक औरंगजेब का किरदार पर्दे पर निभाया है। इस किरदार को निभाकर अक्षय खन्ना ने खूब वाहवाही बटोरी है। लेकिन अक्षय खन्ना पहले बॉलीवुड एक्टर नहीं हैं जिन्होंने पर्दे पर औरंगजेब का किरदार निभाया है। इससे पहले ओम पुरी से लेकर आशुतोष राणा जैसे कलाकारों ने भी औरंगजेब के किरादर में जान फूंकी है। छावा फिल्म बीते महीने की 14 तारीख को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय खन्ना ने औरंगजेब का किरदार निभाया और खूब तारीफें बटोरीं। अक्षय खन्ना इस किरदार में बिल्कुल फिट नजर आए। अक्षय के करियर में ये किरदार काफी खास साबित हुआ है। हालांकि

अक्षय खन्ना से पहले भी बॉलीवुड के धांसू एक्टर्स औरंगजेब का किरदार पर्दे पर निभा चुके हैं। इनमें से ओम पुरी से लेकर आशुतोष राणा जैसे दिग्गज एक्टर्स का नाम शामिल है।

साल 2021 में आई सीरीज छत्रशाल में आशुतोष राणा ने औरंगजेब का किरदार निभाया था। इस हिस्टोरिकल ड्रामा सीरीज में महाराजा छत्रशाल की जिंदगी और लड़ाइयों की कहानी बताई गई थी। ये सीरीज एमएक्स प्लेयर पर प्रीमियर हुई थी और काफी पसंद की गई थी। इस सीरीज में मुगल साम्राज्य के खिलाफ उठने वाली बगावत की कहानी भी देखने को मिली थी। सीरीज में आशुतोष राणा के किरदार की काफी तारीफ हुई थी। साथ ही आशुतोष की एक्टिंग देख फैन्स भी काफी हैरान रह गए थे। आशुतोष से पहले बॉलीवुड के दिवंगत दिग्गज अभिनेता ओम पुरी भी औरंगजेब का किरदार पर्दे पर निभा चुके हैं। साल 1988 में प्रीमियर हुआ टीवी शो भारत एक खोज में भी औरंगजेब का किरदार नजर आया था। इस टीवी सीरीज में औरंगजेब का किरदार ओम पुरी ने निभाया था। मुगल बादशाह के किरदार में ओम पुरी की ये एक्टिंग सबसे बेहतरीन कामों में गिनी जाती है। आज भी इस किरदार को लोग पसंद करते हैं और ओम पुरी की एक्टिंग की तारीफ करते हैं।

आइफा 2025 में प्रतिष्ठित फिल्म 'शोले' की स्वर्ण जयंती मनाई जाएगी

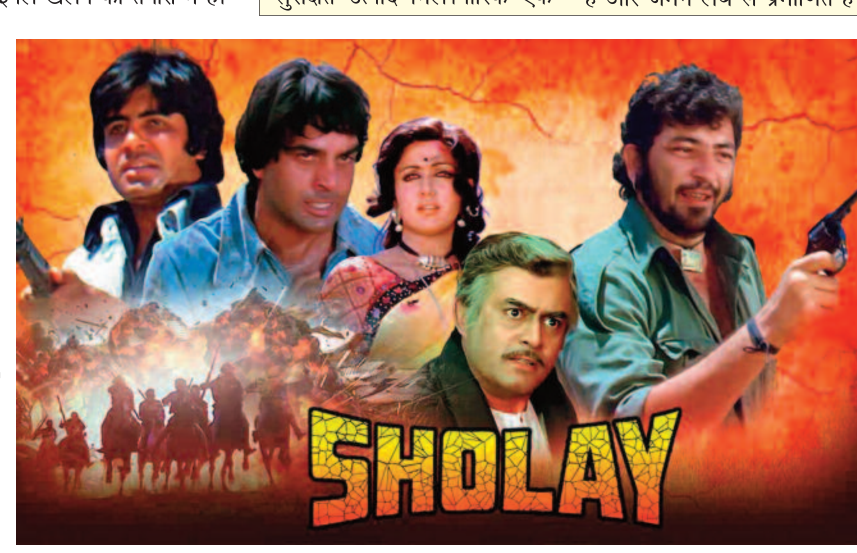

अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी का 25वां संस्करण रमेश सिप्पी की प्रतिष्ठित फिल्म शोले के विशेष उत्सव के साथ सभी सिनेमा प्रेमियों को पुरानी यादों में ले जाएगा। शोले की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर, आईफा के आयोजकों ने जयपुर के प्रसिद्ध राज मंदिर सिनेमा में फिल्म की एक विशेष स्क्रीनिंग आयोजित करने का निर्णय लिया है। आईफा के सह-संस्थापक आंद्रे टिमिन्स ने इस अवसर पर अपना हार्दिक उत्साह साझा करते हुए कहा, आईफा 2025 केवल एक उत्सव नहीं है-यह समय के माध्यम से एक यात्रा है,जयपुर के प्रतिष्ठित राज मंदिर में शोले के 50 वर्षों का सम्मान करना। जैसा कि हमआईफा की रजत जयंती मना रहे हैं, हम मील के पत्थर से ज्यादा का जश्न मना रहे हैं; हम किंवदंतियों, यादों और सिनेमा के जादू का जश्न मना रहे हैं और राज मंदिर से बेहतर इस विरासत का सम्मान करने के लिए और क्या जगह हो सकती है,एक थिएटर जो पांच दशकों से फिल्म प्रेमियों के लिए एक ऐतिहासिक अभयारण्य रहा है। उन्होंने कहा,यह श्रद्धांजलि भारतीय सिनेमा की आत्मा को एक वास्तुशिल्प चमत्कार की भव्यता के साथ एक साथ लाने का हमारा तरीका है, एक ऐसा क्षण बनाना जो हमेशा के लिए संजोया जाएगा। यह सिनेमा और संस्कृति का एक ऐतिहासिक उत्सव है। आईफा 2025 कहानी कहने की शक्ति के लिए एक अविस्मरणीय श्रद्धांजलि होने का वादा करता है,जो भारतीय सिनेमा को इतना खास बनाने वाले जादू के उत्सव में फिल्म प्रेमियों को एकजुट करता है। शोले रामगढ़ गाँव के इर्द-गिर्द घूमती है,जहाँ सेवानिवृत्त पुलिस प्रमुख ठाकुर बलदेव सिंह (संजीव कुमार) कुख्यात डाकू गब्बर सिंह (अमजद खान) को गिराने की साजिश रचते हैं और दो छोटे अपराधियों, जय (अमिताभ बच्चन) और वीरू (धर्मेंद्र) की मदद लेते हैं। जब गब्बर गाँव पर हमला करता है, तो जय और वीरू हैरान होते हैं कि ठाकुर उनकी मदद के लिए कुछ क्यों नहीं करता इससे क्रोधित होकर, उन्होंने ठाकुर की मदद करने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना कर दिया। इसमें अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, संजीव कुमार, जया बच्चन और अमजद खान जैसे दिग्गज कलाकार शामिल थे। आईफा 2025 जयपुर में 8 मार्च से 9 मार्च तक होने वाला है।

महत्वपूर्ण खबर

रायपुर में डेवलपर पर बड़ी कार्यवाही

रेरा ने 50 लाख का जुर्माना लगाया

रायपुर,05 मार्च 2025(ए)। टीवी, एसी, मॉड्यूलर किचन गिफ्ट में देकर प्लाट खरीदना, घर बनवाना का ऑफर तो आपको भी मिला होगा। ऐसे ही ऑफर में फंसाकर राजंधानी रायपुर के कई लोगों को शैली ईस्टेट एण्ड डेवेलोपर्स ने अपने झांसे में लिया। अब इस डेवलपर के खिलाफ रेरा ने कार्रवाई करते हुए 50 लाख रूपए की पेनाल्टी लगाई है। दरअसल कुछ परिवारों ने मारूति इंफ्रा सिटी में प्लॉट खरीदकर शैली ईस्टेट एण्ड डेवेलोपर्स से घर बनवाने के लिए एग्रीमेंट किया। लोगों को अपने झांसे में लेने के लिए उक्त डेवलपर ने टीवी, एसी और मॉड्यूलर किचन देने के ऑफर दिए लेकिन बीच में ही आधा काम छोड़कर ये फरार हो गया। जिसके बाद पीड़ित परिवार रेरा पहुंचे। लेकिन उक्त ठेकेदार रेरा अप्रूवड नहीं था। यही कारण है कि पेनाल्टी की राशि 45 दिनों के भीतर जमा न करने पर कठोर कार्रवाई करने की बात कही है।

छत्तीसगढ़ के प्रमोटी आईएएस अफसरों को बैच अलॉट

रायपुर,05 मार्च 2025(ए)।राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत हुए अधिकारियों को उनके बैच का आवंटन कर दिया गया है. केंद्र सरकार के आदेशानुसार 2021 से 2023 की चयन सूची में शामिल अधिकारियों की वरिष्ठता और बैच निर्धारण किया गया है। इस संबंध में जारी किये गए आदेश के अनुसार कुल 10 अधिकारी हीना अनिमेष नेताम,अश्विनी देवांगन, डॉ. रेणुका श्रीवास्तव, आशुतोष पांडे, अजय कुमार अग्रवाल, रीता यादव, लोकेश कुमार, प्रकाश कुमार, गजेन्द्र सिंह ठाकुर और तनुजा सलाम का नाम शामिल है. इस बैच आवंटन के लिए आईएएस (वरिष्ठता विनियमन) नियम, 1987 के तहत वेटेज फॉर्मूला लागू किया गया है, जिससे अधिकारियों को उनके तत्काल वरिष्ठों के अनुसार उचित स्थान दिया गया है। 2021 चयन सूची में हीना अनिमेष नेताम को 2016 बैच और अश्विनी देवांगन को 2018 बैच मिला. 2022 चयन सूची में डॉ. रेणुका श्रीवास्तव और आशुतोष पांडे को 2019 बैच में स्थान दिया गया. 2023 चयन सूची में अजय कुमार अग्रवाल, रीता यादव, लोकेश कुमार, प्रकाश कुमार, गजेन्द्र सिंह ठाकुर और तनुजा सलाम को 2019 बैच में शामिल किया गया।

सुकमा के धनिकोर्ता में रहस्यमयी बीमारी का कहर

सीने में दर्द और खांसी के बाद 13 की मौत

सुकमा,05 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के छिंदगढ़ विकासखंड के धनिकोर्ता गांव में पिछले एक महीने के भीतर 13 ग्रामीणों की रहस्यमयी मौतों ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है। इन मौतों का कारण सीने में दर्द और खांसी की शिकायत बताया जा रहा है। इसके बाद ग्रामीणों की हालत तेजी से बिगड़ रही है और उनकी जान जा रही है। गांव में लगभग हर घर से मौत की खबर आ रही है, जिससे वहां भय और अनिश्चितता का माहौल बन गया है। ग्रामीणों के बताया कि मृतकों में ज्यादातर वे लोग शामिल हैं, जिन्होंने शुरुआत में सीने में दर्द और खांसी की शिकायत की थी।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में रामा बिल्डकॉन के जमीन आबंटन का मामला गरमाया

» रामा बिल्डकॉन को जमीन आबंटन के मामले में राजस्व मंत्री को सत्ता पक्ष के विधायक ने घेरने का किया प्रयास...

» मंत्री ने दिया गोलमोल जवाब...

रायपुर,05 मार्च 2025(ए)। राजधानी रायपुर के अमलीडीह में रामा बिल्डकॉन को सरकारी जमीन आबंटित किये जाने का मुद्दा भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने प्रश्नकाल में उठाया। इस दौरान राजस्व मंत्री ने आबंटन निरस्त करने की बात तो कही मगर कार्रवाई के सवाल पर उन्होंने गोलमोल जवाब दिया। भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने पूछा- जमीन आबंटन निरस्त होने के कारण क्या है?जवाब में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा- मंत्रिमंडल में नियम में बदलाव की वजह से आबंटन निरस्त कर दिया गया था। जमीन आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई थी, बल्कि प्रक्रियाधीन थी, इस दौरान कैबिनेट का फैसला आ गया, जिसके बाद जमीन का आवंटन नहीं किया गया।

धरमलाल कौशिक ने इस दौरान जानना चाहा कि 56 करोड़ रुपए पटाया जाना था लेकिन सिर्फ 9 करोड़ रुपए की राशि जमा की गई थी। अधिकारियों ने जो इस तरह से काम किया था उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी? धरमलाल कौशिक ने कहा कि भूमि का आबंटन रामा बिल्डकॉन को किया गया था। यह जवाब दिया गया है, मगर भूमि रिकॉर्ड में किसके नाम पर है?जवाब में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि भूमि का आबंटन की प्रक्रिया चल रही थी। संबंधित पक्ष ने राशि नहीं पटाई गई थी। शासन ने आबंटन निरस्त कर दिया था। राजस्व मंत्री ने कहा- आबंटन कलेक्टर के द्वारा किया जाता है, जब राशि पटाई जाती है। राशि जमा करने के पूर्व ही आबंटन रद्द कर दिया गया था। रिकॉर्ड में भूमि शासन के नाम पर ही दर्ज है। कलेक्टर द्वारा डिमांड लेटर दिया ही नहीं गया था।

रामा बिल्डकॉन को जमीन के आबंटन के मामले ने काफी तूल पकड़ लिया था और इसका स्थानीय निवासियों के साथ ही कांग्रेस और भाजपा के नेताओं ने भी विरोध किया था। तब बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे थे। मगर संभागायुक्त द्वारा की गई जांच के बाद मामले ठन्डे बास्ते में चला गया। आरोप लग रहे हैं कि अफसरों को बचाने की नियत से गोलमोल रिपोर्ट दी गई है। ऐसा ही कुछ विधानसभा में नजर आया, जहां राजस्व मंत्री ने नए नियम का हवाला देते हुए केवल आबंटन निरस्त किये जाने की जानकारी देकर बात को खत्म कर दिया।

सदन में सर्पदंश मुआवजा घोटाले का मुद्दा गरमाया, जवाब में मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा

छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज सर्पदंश से होने वाली मौतों और उसके मुआवजे में हो रहे संभावित घोटाले का मुद्दा गरमाया। भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने सरकार से पूछा कि जशपुर को नागलोक कहा जाता है,जहां सर्पदंश से सबसे ज्यादा मौतें होती है, लेकिन विधानसभा में जो आंकड़े आये हैं, उसमें जशपुर से ज्यादा बिलासपुर में मौत के बाद मुआवजा राशि वितरित करने की बात कही गयी है।

मंत्री ने दिया जांच का आश्वासन

जवाब में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने इसकी जांच की घोषणा की है। सुशांत शुक्ला ने ये भी कहा कि मुआवजा दिलाने के लिए एक रैकेट सक्रिय है, जो गलत तरीके से मुआवजा दिलाने का काम करता है। इन बातों पर मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि अभी तक ये मामला संज्ञान में नहीं आया है, अगर उनके पास इस संबंध में कोई साक्ष्य है, तो वो उसे उपलब्ध करा दें। उसकी वो जांच करा लेंगे।

बिलासपुर में 431 मौतें, जशपुर में सिर्फ 96

सर्पदंश से मृत्यु पर मुआवजा चार लाख प्रति व्यक्ति दिया जाता है। सर्पलोक जशपुर में सर्पदंश से मात्र 96 लोगों की मौत के आंकड़े आये हैं, जबकि बिलासपुर में सर्पदंश से 431 लोगों की मौत हुई है। विधायक ने सर्पदंश मृत्यु मुआवजा में करोड़ों रुपए के घोटाले की बात कही।

प्रश्नकाल के 30 मिनट पहले नेता प्रतिपक्ष को मिला प्रश्न का उत्तर,अफसरों पर भड़के महंत... इसे कैसे पढ़कर मैं सवाल पुछूंगा,स्पीकर ने भी दे डाली सत्तापक्ष को नसीहत

छत्तीसगढ़ विधानसभा के 7वें दिन बुधवार को भारतमाला प्रोजेक्ट का मुद्दा गूंजा। राजस्व विभाग के प्रश्नकाल शुरु होते ही पहला सवाल चरणदास महंत का था। प्रश्नकाल प्रारंभ होते ही नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा अध्यक्ष का ध्यान जवाबों का पुलिंदा दिखाते हुए खींचा कि 30 मिनट पहले राजस्व विभाग ने जवाब भेजा है, अब इसे कैसे पढ़कर मैं सवाल पुछूंगा। उन्होंने इस पर गंभीर आपत्ति जताई। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने इसमें हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारियों का यह रवैया ठीक नहीं है। सदस्यों को अगर टाईम पर जवाब नहीं मिलेगा तो फिर वे इस पर सवाल कैसे पुछूंगा। जिस पर स्पीकर डॉरमन सिंह ने राजस्व विभाग के इस आचरण पर चिंता जताई।

मुआवजे की राशि में करोड़ों का घोटाला, मंत्री ने दिए जांच के निर्देश

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र का आज सातवां दिन है। बजट सत्र के सातवें दिन राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। इस घोषणा के तहत बिलासपुर और जशपुर में सर्पदंश से हुई मौतों के मुआवजे की जांच की जाएगी। बीजेपी विधायक सुशांत शुक्ला ने इस मामले पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि सर्पदंश मृत्यु के मुआवजे में करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ है। इस मुद्दे को लेकर सदन में गंभीर सवाल उठाए गए, जिससे मुआवजे की प्रक्रिया और जांच की आवश्यकता पर बल दिया गया है। यह कदम मुआवजे की पारदर्शिता सुनिश्चित करने और घोटाले की संभावना को खत्म करने के लिए उठाया गया है।

मुआवजे की प्रक्रिया पर भी सवाल

इस सवाल के सप्लीमेंट्री सवाल पर धर्मजीत सिंह ने जानना चाहा कि किसी व्यक्ति की अगर सर्पदंश से मृत्यु हो जाती है, तो उसे मुआवजा पाने के लिए किन प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। जवाब में मंत्री ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सर्पदंश की पुष्टि होती है, जिसके बाद मुआवजे की प्रक्रिया शुरू होती है।

सीजी शराब घोटाला मामले पर सीएसएमसीएल के पूर्व एमडी अरुणपति त्रिपाठी की क्रिमिनल रिवीजन पर हाईकोर्ट में सुनवाई

ईओडब्ल्यू को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में मांगा जवाब

बिलासपुर,05 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में आबकारी विभाग के निलंबित अफसर अरुणपति त्रिपाठी की क्रिमिनल रिवीजन पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस मामले में हाई कोर्ट ने ईओडब्ल्यू को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। प्रवर्तन निदेशालय ने शराब घोटाले मामले में मई 2023 में आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और शराब वितरण कंपनी सीएसएमसीएल के पूर्व एमडी अरुणपति त्रिपाठी को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद ईडी की विशेष अदालत ने जेल भेज दिया था।

क्या है शराब घोटाले का मामला

अरुणपति त्रिपाठी के मामले में ईओडब्ल्यू ने भी संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया था। विभाग ने बिना शासन की अनुमति लिए ही कार्रवाई कर ली थी। इसे त्रिपाठी ने हाईकोर्ट में चुनौती देकर क्रिमिनल रिवीजन प्रस्तुत की।

क्रिमिनल रिवीजन में कहा गया कि धारा 9 के अंतर्गत ऐसे मामलों में शासन की अनुमति पहले लेनी चाहिए। जस्टिस अरविन्द कुमार वर्मा की सिंगल बेंच में आज सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने ईओडब्ल्यू को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब तलब किया है।

शिक्षक के घर में घुसा तेंदुआ,इलाके में दहशत

कांकेर,05 मार्च 2025(ए)। जिले के सरोना वन परिक्षेत्र अंतर्गत दुधावा ऊपरपारा में भोजन की तलाश में एक तेंदुआ एक शिक्षक के घर में घुस गया। इस घटना से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। तेंदुआ के घर में घुसने की सूचना ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को दी।सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को पकड़ने के लिए डेढ़ घंटे तक कड़ी मशक्कत की। टीम ने जाल बिछाकर तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने की कोशिश की, जिसके बाद उसे काबू में लाया गया। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोग घरों से बाहर निकलने में डर रहे हैं। वन विभाग ने क्षेत्रवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है और जंगल के आसपास निगरानी बढ़ा दी है।

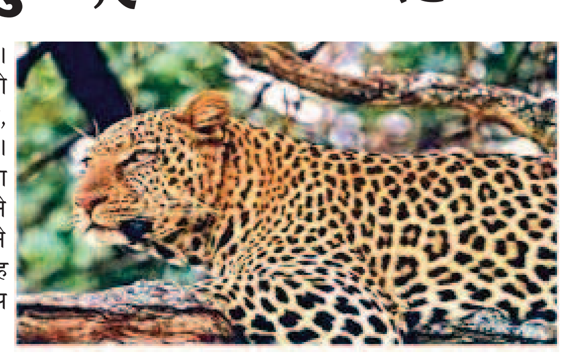

बिजली कंपनी को 45 सौ करोड़ का घाटा

छत्तीसगढ़ के उपभोक्ताओं को लग सकता है झटका

रायपुर,05 मार्च 2025(ए)। प्रदेशभर के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं को महंगी बिजली का झटका देने की तैयारी है। राज्य पावर कंपनी ने बिजली नियामक आयोग में नए सत्र के लिए लगाई गई याचिका में 45 सौ करोड़ का घाटा बताया है।उसे पूरा करने के लिए नया टैरिफ लागू करने की सिफारिश की है। पावर कंपनी का पूरा लेखा-जोखा देखने और जनसुनवाई के बाद ही यह तय किया जाएगा कि वास्तव में घाटे से उबारने के लिए बिजली की दरें बढ़ाई जाए या नहीं। बिजली कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल जनसुनवाई की तारीख तय नहीं की गई है। मगर, मार्च के अंत तक तय होने की पूरी संभावना है।उसके बाद ही नया टैरिफ तय होगा। कंपनी हर साल दिसंबर में नियामक आयोग को नए टैरिफ के लिए प्रस्ताव भेजती है। इसमें आमतौर पर पावर कंपनी अपनी तरफ से बिजली का टैरिफ कितना बढ़ाना है, इसका कभी भी प्रस्ताव नहीं भेजती है।केवल अपना लेखा-जोखा ही भेजती है। इसको देखने के बाद नियामक आयोग तय करता है कि वास्तव में कंपनी को कितने पैसों को जरूरत है और वास्तव में उसका खर्च कितना होगा। इसके बाद जो कमी रहती है, उसके हिसाब से टैरिफ में इजाफा होता है।

रंगों की बयार में सजेगा छत्तीसगढ़ी सिनेमा का होली मिलन समारोह

रायपुर,05 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ी फिल्म जगत की रंगीन शाम का उल्लास, संगीत की धुनों पर थिरकते कदम और गुलाल में घुली खुशियों की सौगात-रंग सरोवर' होली मिलन समारोह एक भव्य और यादगार आयोजन बनने जा रहा है।छत्तीसगढ़ी फिल्मी सितारों की मौजूदगी इस कार्यक्रम को और भी खास बनाएगी, जहां कला और संस्कृति के रंगों में सराबोर होकर कलाकार होली का आनंद लेंगे। रविवार को आर्टिस्टिको एंटरटेनमेंट कैंपस, विशाल नगर में बैठक आयोजित कर यह तय किया गया कि 11 मार्च को संध्या 4ः00 बजे से यह भव्य आयोजन सहाय फिल्म सिटी एंड स्टूडियो, ग्राम जोरा में आयोजित किया जाएगा।यह न केवल रंगों के त्योहार को मनाने का अवसर होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ी सिने प्रेमियों के लिए भी एक सुनहरा अवसर होगा, जहां वे अपने पसंदीदा सितारों को करीब से देख सकेंगे। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ी फिल्म जगत के तमाम बड़े कलाकार, निर्देशक और निर्माता एक मंच पर होंगे।कार्यक्रम में फिल्मी परिवार के सभी विधाओं के सदस्य एक छत के नीचे नाचते-गाते, गुलाल उड़ाते और फूलों की होली खेलते नजर आएंगे। रंगों के इस उल्लास में संगीत, नृत्य और मनोरंजन की झलकियां तो होंगी ही, साथ ही पारंपरिक और लजीज व्यंजनों का आनंद भी लिया जा सकेगा।आयोजन समिति की बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

चाय वाले महापौर का रायपुर बीजेपी दफ्तर में भव्य स्वागत

रायपुर,05 मार्च 2025 (ए)। रायगढ़ के चाय वाले महापौर का रायपुर बीजेपी दफ्तर में भव्य स्वागत हुआ, बीजेपी नेता अजय जमवाल ने कहा, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में रायगढ़ के नवनिर्वाचित महापौर श्री जीवर्धन चौहान से सौजन्य भेंट हुई। तीन दशकों से सामाजिक जीवन में सक्रिय चौहान चाय की गुमटी चलाकर आत्मनिर्भर होकर सदैव आमजनों के साथ जुड़े रहे हैं। चहूंओर चाय वाले महापौर की चर्चा है जो बूथ के अध्यक्ष से रायगढ़ के प्रथम नागरिक बनने का यात्रा तय की है। मैं उनकी विशाल विजय के साथ ही वे समृद्ध रायगढ़ के संकल्प को पूर्ण करने की दिशा में जुटेंगे इसके लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)